www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 30.c

27.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 98.755g

चांदी 107,000kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद

https://x.com/BharatSamvad

www.facebook.com/bharatsamvad.in

www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n

E-Paper bharatsamvad.live

2 सांसद अपनी भी समीक्षा करें, संसद की कार्यवाही चलाने की बजाय रोकने की कवायद तेज होने लगी

स्कूल विलय के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन 04

वर्ष :09 | अंक :32 | मुंबई , बुधवार , 23 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

जम्मू-कश्मीर में पुलिसकर्मी के साथ हिरासत में हैवानियत पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनाया सख्त रुख

सीबीआई जांच और 50 लाख मुआवजे का आदेश

हिरासत में प्रताड़ना और मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों को लेकर समय-समय पर गंभीर सवाल उठते रहे हैं। ऐसा ही एक मामला जम्मू-कश्मीर से सामने आया है जहां एक पुलिस कांस्टेबल के साथ कथित रूप से हुए अत्याचार के मामले में देश की सर्वोच्च अदालत ने कठोर रुख अपनाते हुए राज्य प्रशासन और पुलिस व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गहरा प्रश्नचिह्न खड़ा किया है। हम आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा स्थित ज्वाइंट इंटरोगेशन सेंटर (संयुक्त पूछताछ केंद्र) में एक पुलिस हेड कांस्टेबल के साथ हिरासत के दौरान कथित रूप से किए गए

तरलोक सिंह चौहान होंगे झारखंड हाईकोर्ट के 17वें मुख्य न्यायाधीश

रांचीः झारखंड हाईकोर्ट के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान को राज्यपाल संतोष गंगवार बुधवार सुबह 10 बजे राजभवन के बिरसा मंडप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे. वे झारखंड हाईकोर्ट के 17वें मुख्य न्यायाधीश होंगे. इस शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी शामिल होंगे. इसके अलावा झारखंड हाईकोर्ट ने न्यायाधीशगण, वरिष्ठ अधिकारी गण और अधिवक्ताओं के अलावा अन्य गणमान्य मौजूद रहेंगे. नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश के शपथ ग्रहण को लेकर राजभवन के बिरसा मंडप में जोर-शोर से तैयारी चल रही है. अधिवक्ता धीरज कुमार ने बताया कि शपथ ग्रहण के बाद मुख्य न्यायाधीश सीधे हाईकोर्ट पहुंचकर दायित्व संभाल लेंगे. इससे पहले मंगलवार 22 जुलाई को रांची एयरपोर्ट पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया. उनके साथ परिवार के कई सदस्य रांची पहुंचे हैं.जस्टिस तरलोक सिंह चौहान का परिचयतरलोक सिंह चौहान मूल रुप से हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं. वर्तमान में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में सीनियर जज के थे. उनकी स्कूली शिक्षा शिमला में हुई है. उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी से लॉ की पढ़ाई की. साल 1989 में उन्होंने वकालत शुरू की और 2014 में न्यायिक सेवा से जुड़े और हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के न्यायाधीश बने.सुनहरा रहा है झारखंड हाईकोर्ट का इतिहासझारखंड हाईकोर्ट का इतिहास बेहद सुनहरा रहा है. जस्टिस विनोद कुमार गुप्ता झारखंड हाईकोर्ट के पहले मुख्य न्यायाधीश थे. बाद में उनको हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया था. इस पद को शुशोभित करने वाले कई मुख्य न्यायाधीशों ने सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश पद की जिम्मेदारी संभाली.

इंडिया गठबंधन का एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन

यह लोकतंत्र की हत्या... बिहार में एसआईआर अभ्यास को लेकर भड़कीं प्रियंका गांधी, विरोध प्रदर्शन में हुईं शामिल

विरोध प्रदर्शन

विपक्षी सांसदों ने नहीं चलेगा-नहीं चलेगा, एसआईआर नहीं चलेगा और वोटबंदी बंद करो के नारे लगाए। कई सांसदों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर एसआईआर के विरोध में नारे लिखे हुए थे। कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने कहा, हम इस मुद्दे को जोरशोर से उठाएंगे।

एजेंसी

एसआईआर के खिलाफ बिहार में विपक्ष का प्रदर्शन

तेजस्वी बोले- बेशर्म हो गया है चुनाव आयोग

तेजस्वी यादव ने कहा कि हम कोर्ट में, सड़क पर, सदन में लड़ रहे हैं। लेकिन चुनाव आयोग बेशर्म हो गया है। चुनाव आयोग ने इस मुद्दे पर एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की। सुप्रीम कोर्ट के सुझावों के बाद भी उन्होंने आधार या राशन कार्ड की भूमिका के बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है। बिहार में विपक्षी दलों ने मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर विधानसभा चुनाव से पहले लोगों के मताधिकार को छीनने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित विपक्षी सांसदों ने बिहार में एसआईआर (विशेष गहन समीक्षा) अभ्यास के मुद्दे पर संसद के मकर द्वार पर विरोध प्रदर्शन किया। संसद के मकर द्वार के निकट आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, राष्ट्रीय जनता दल के नेता मनोज झा और मीसा भारती तथा कई अन्य सांसद शामिल हुए।विपक्षी सांसदों ने नहीं चलेगा-नहीं चलेगा, एसआईआर नहीं चलेगा और वोटबंदी बंद करो के नारे लगाए। कई सांसदों ने अपने हाथों में तख्तियां ले रखी थीं, जिन पर एसआईआर के विरोध में नारे लिखे हुए थे। कांग्रेस सांसद सैयद नासिर हुसैन ने कहा, हम इस मुद्दे को जोरशोर से उठाएंगे। ऐसा नहीं हो सकता कि रातों-रात लाखों लोगों को मतदाता सूची से बाहर कर दिया जाए।उन्होंने कहा कि सरकार और निर्वाचन आयोग को इस मामले में अपने कदम पीछे खींचने होंगे।

मानसून सत्र की बड़ी बातें...

- लोकसभा 4 बार स्थगितः विपक्ष ने लोकसभा में पहलगाम-ऑपरेशन सिंदूर पर हंगामा किया। विपक्षी दलों की मांग थी कि सरकार का प्रमुख होने के नाते प्रधानमंत्री इन मुद्दों पर जवाब दें। इसके चलते लोकसभा 4 बार स्थगित हुई।
- स्पीकर को जस्टिस वर्मा को हटाने ज्ञापन सौंपाः जस्टिस यशवंत वर्मा को हटाने के संबंध में स्पीकर ओम बिरला को ज्ञापन सौंपा गया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा किया गया मंजूर

प्रधानमंत्री मोदी ने बेहतर स्वास्थ्य की कामना की

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इस मंजूरी को गृह मंत्रालय को भेज दिया गया है और जल्द ही एक आधिकारिक अधिसूचना जारी होने की उम्मीद है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार शाम को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलों का दौर शुरू हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद उनकी सराहना की और जनसेवा के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने धनखड़ के पूरे कार्यकाल में विभिन्न पदों पर उनके योगदान की सराहना की और उनके अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की। एक ट्वीट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जगदीप धनखड़ जी को भारत के उपराष्ट्रपति सहित विभिन्न पदों पर देश की सेवा करने के कई अवसर मिले हैं। उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूँ। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखे अपने त्यागपत्र में धनखड़ ने कहा कि वह स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने के लिए तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। राष्ट्रपति को लिखे पत्र में उन्होंने कहा, स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देने और चिकित्सीय सलाह का पालन करने के लिए, मैं संविधान के अनुच्छेद 67(ए) के अनुसार, तत्काल प्रभाव से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देता हूँ। 74 वर्षीय धनखड़ ने अगस्त 2022 में पदभार ग्रहण किया था और उनका कार्यकाल अगस्त 2027 तक था।

> सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, प्रधानमंत्री मोदी ने धनखड़ के पूरे कार्यकाल में विभिन्न पदों पर उनके योगदान की सराहना की और उनके अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की।

चुनावी सत्यापन पर बंटा सिस्टम

ईसी ने सुप्रीम कोर्ट को गिनाईं दस्तावेजों की खामियां

एजेंसी

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का बचाव करते हुए सर्वोच्च न्यायालय से कहा कि आधार, मतदाता पहचान पत्र या राशन कार्ड को मतदाता पात्रता के प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है और नागरिकता का प्रमाण मांगने के अपने संवैधानिक अधिकार पर जोर दिया। सोमवार शाम को प्रस्तुत एक विस्तृत हलफनामे में, चुनाव आयोग ने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत उसे प्राप्त शक्तियाँ उसे मतदाता सूची तैयार करने सहित चुनाव के सभी पहलुओं की निगरानी और निर्देशन का पूर्ण अधिकार प्रदान करती हैं। आयोग ने तर्क दिया कि यह संवैधानिक आदेश, अनुच्छेद 326 के तहत निर्धारित भारतीय नागरिकता की आवश्यकता सहित मतदाता पात्रता की जाँच करने का अधिकार देता है। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता साबित न कर पाना किसी की नागरिकता समाप्त करने के समान नहीं है। यह हलफनामा कई विपक्षी सांसदों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में आया है, जिनमें एसआईआर प्रक्रिया की वैधता, समय और तरीके को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को एसआईआर की वैधता की जाँच करने पर सहमति जताई और आग्रह किया।

> आयोग ने तर्क दिया कि यह संवैधानिक आदेश, अनुच्छेद 326 के तहत निर्धारित भारतीय नागरिकता की आवश्यकता सहित मतदाता पात्रता की जाँच करने का अधिकार देता है। चुनाव आयोग ने कहा कि मतदाता पंजीकरण के लिए नागरिकता साबित न कर पाना किसी की नागरिकता समाप्त करने के समान नहीं है। यह हलफनामा कई विपक्षी सांसदों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा दायर याचिकाओं के जवाब में आया है, जिनमें एसआईआर प्रक्रिया की वैधता, समय और तरीके को चुनौती दी गई है।

या तो सरकार जानती है या वह...

जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर बोले मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी

राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर टिप्पणी करने से परहेज करते हुए कहा कि या तो सरकार या फिर वह खुद इसका कारण जानते हैं। मीडिया से बात करते हुए खड़गे ने कहा कि केवल वही कारण जानते हैं। हमें इस पर कुछ नहीं कहना है। या तो सरकार जानती है या वह जानते हैं। उनका इस्तीफा स्वीकार करना या न करना सरकार पर निर्भर है।शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि उपराष्ट्रपति की तबीयत इतनी खराब नहीं हुई है कि उन्हें इस्तीफा देना पड़े। किसी ने उनकी तबीयत खराब कर दी है... सत्ताधारी पार्टी चुप है। इसका मतलब है कि कुछ गड़बड़ है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि यह अचानक नहीं हो सकता। कल वह सदन की अध्यक्षता कर रहे थे और आज उन्होंने इस्तीफा दे दिया। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें लंबी और स्वस्थ आयु प्रदान करें। उनके इस्तीफे का कोई और कारण है। राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि सरकार द्वारा लिए गए फैसलों में पारदर्शिता नहीं है ...प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, यह भी चौंकाने वाला है।

> राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि सरकार द्वारा लिए गए फैसलों में पारदर्शिता नहीं है ...प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, यह भी चौंकाने वाला है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा चौंकाने वाला और आश्चर्यजनक है।

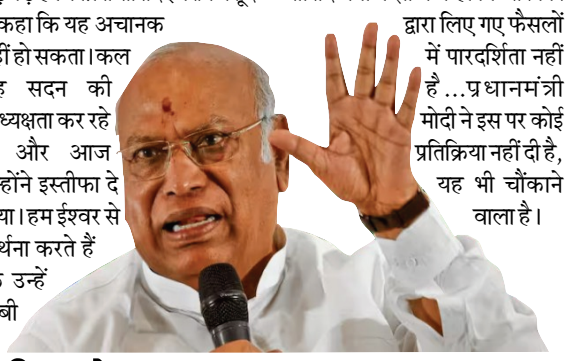

गाय तो गाय ही है...

तिरुपति मंदिर में देसी गाय के दूध से बने प्रसाद के इस्तेमाल वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

एजेंसी

सर्वोच्च न्यायालय ने उस रिट याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया जिसमें तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि तिरुमाला स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में भगवान वेंकटेश की पूजा के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला दूध केवल देशी गायों से ही लिया जाए। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ द्वारा मामले की सुनवाई में अनिच्छा व्यक्त करने के बाद, याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने याचिका वापस ले ली।

तेज हुई जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने की मांग

> जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि राज्य की मांग अब जन आंदोलन में बदल गई है। हम सरकार पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के लिए दबाव डाल रहे हैं।

कांग्रेस ने जंतर-मंतर पर किया प्रदर्शन

एजेंसी

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले। हम इसके लिए संघर्ष करने को तैयार हैं। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ अन्याय किया है और प्रधानमंत्री मोदी हर चुनाव में वादा करते हैं कि वे जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देंगे। लेकिन वे कभी वादा पूरा नहीं करते। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने कहा कि राज्य की मांग अब जन आंदोलन में बदल गई है। हम सरकार पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने के लिए दबाव डाल रहे हैं। कांग्रेस सांसद (एमपी) के सी वेणुगोपाल ने रविवार को कहा था कि भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) ब्लॉक संसद के मानसून सत्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए प्रयास करेगा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा की कथित नजरबंदी और श्रीनगर स्थित पार्टी कार्यालय को सील करने की कड़ी निंदा की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वेणुगोपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राज्य के दर्जे को लेकर पिछले आश्वासनों पर सवाल उठाए।

कांग्रेस को 199 करोड़ डोनेशन पर टैक्स से राहत नहीं

ट्रिब्यूनल में याचिका खारिज, 6 साल पहले पार्टी ने जीरो इनकम बताकर टैक्स भरा था

कांग्रेस ने टैक्स रिटर्न में धारा 13ए के तहत डोनेशन में मिले 199.15 करोड़ रुपए की छूट का दावा करने के बाद अपनी इनकम जीरो बताई थी।कांग्रेस को डोनेशन में 14.49 लाख रुपए कैश भी मिले थे

एजेंसी

नई दिल्ली , इनकम टैक्स अपील ट्रिब्यूनल ने मंगलवार को कांग्रेस को डोनेशन में मिले 199 करोड़ रुपए पर टैक्स में छूट देने से जुड़ी याचिका खारिज कर दी। ट्रिब्यूनल ने आयकर रिटर्न देर से दाखिल करने और नकद दान की सीमा के उल्लंघन को इसकी वजह बताया।दो सदस्यीय बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि 2 फरवरी, 2019 को दाखिल किया गया कांग्रेस का टैक्स रिटर्न, उसे छूट के लिए योग्य बनाने के लिए निर्धारित तिथि के भीतर नहीं है। ट्रिब्यूनल ने टैक्स अफसरों के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि पार्टी को डोनेशन के रुपयों पर भी टैक्स देना होगा दरअसल, कांग्रेस ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में धारा 139(1) के तहत 2 फरवरी, 2019 को इनकम टैक्स रिटर्न भरा था। हालांकि टैक्स भरने की डेडलाइन 31 दिसंबर, 2018 थी।

आरोप विपक्ष पर लगाया दोहरे मापदंड का आरोप

गिरिराज सिंह ने बिहार मतदाता सूची संशोधन का किया बचाव

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का बचाव किया और संवैधानिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने के लिए विपक्ष की कड़ी आलोचना की। इंडिया गठबंधन के नेताओं के आरोपों का जवाब देते हुए, सिंह ने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया मौजूदा सरकार के समय से चली आ रही है और विपक्ष पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। गिरिराज सिंह ने कहा कि मैं विपक्ष से पूछना चाहता हूँ कि क्या वे संविधान में विश्वास करते हैं? अगर हाँ, तो क्या 2003 में जब मतदाता सूची में संशोधन हुआ था, तब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री थे? यह एक संवैधानिक प्रक्रिया है। आप संविधान को कुचलते हैं लेकिन बाबा साहेब का नाम लेते हैं। वे किसी और चीज को लेकर चिंतित हैं; वे रोहिंग्याओं, बांग्लादेशियों और उनके साथ क्या होगा, इसकी चिंता कर रहे हैं। इसलिए वे डरे हुए हैं। भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कहा कि विपक्ष को संविधान से सख्त नफरत है। संसद और सुप्रीम कोर्ट संवैधानिक संस्थाएँ हैं। वे सुप्रीम कोर्ट गए और जब वहाँ इसे रोक नहीं पाए, तो अब संसद में इसे रोकने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के विरुद्ध है। मेरा मानना है कि इस समय सभी राजनीतिक दलों को यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए कि उनके जो मतदाता छूट गए हैं, उनके नाम मतदाता सूची में दर्ज हों। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्ष के विरोध के बीच, मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा और राज्यसभा में भारी व्यवधान का सामना करना पड़ा। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही 23 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा और राज्यसभा बुधवार सुबह 11 बजे फिर से बैठक करेंगे। इससे पहले आज, लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछही मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

> "इंडिया गठबंधन के नेताओं के आरोपों का जवाब देते हुए, सिंह ने जोर देकर कहा कि मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया मौजूदा सरकार के समय से चली आ रही है और विपक्ष पर इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन बोले, अस्पताल में रहते हुए भी ड्यूटी जारी रख रहा हूँ

एजेंसी

नयी दिल्ली।तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को घोषणा की कि अस्पताल में भर्ती होने के बावजूद वह अपने सरकारी कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। स्टालिन ने पर पोस्ट किया कि मैं अस्पताल में रहते हुए भी सरकारी कर्तव्यों का पालन कर रहा हूँ। उन्होंने बताया कि 'स्टालिन विद यू' परियोजना के तहत शिविरों की स्थापना, जिसका उद्देश्य जन शिकायतों का समाधान करना और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लोगों तक पहुँचाना है, योजना के अनुसार चल रही है। स्टालिन ने कहा कि स्टालिन विद यू शिविर योजना के अनुसार चल रहे हैं, कल तक कितनी याचिकाएँ प्राप्त हुईं, कितनों का समाधान किया गया - मैंने मुख्य सचिव को ये विवरण एकत्र करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि लोगों की याचिकाओं के समाधान में कोई देरी न हो। इससे पहले, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के स्वास्थ्य पर बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने बताया कि मुख्यमंत्री ठीक हैं और डॉक्टर जल्द ही चिकित्सा संबंधी जानकारी देंगे। उप-मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, मुख्यमंत्री की हालत में सुधार हो रहा है।

> स्टालिन ने कहा कि स्टालिन विद यू' शिविर योजना के अनुसार चल रहे हैं, कल तक कितनी याचिकाएँ प्राप्त हुईं, कितनों का समाधान किया गया - मैंने मुख्य सचिव को ये विवरण एकत्र करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि लोगों की याचिकाओं के समाधान में कोई देरी न हो।

सम्पादकीय

सामने आते अतीत के अनछुए पहलू, भारत की सांस्कृतिक विरासत एवं इतिहास की समझ सामान्य बोध से अधिक पुरानी और विस्तृत

मथुरा से 50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बहज गांव सरस्वती बेसिन की सांस्कृतिक विरासत को जोड़ने वाली कड़ी है। कुल मिलाकर खोदाई में मिले ये पुरावशेष साफ-साफ बता रहे हैं कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और इतिहास की समझ सामान्य बोध से अधिक पुरानी और विस्तृत है। बस जरूरत है तो तमाम पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर भारत के गौरवशाली अतीत को नए नजरिए से देखने की। पिछले कुछ महीनों से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के तिलवाड़ा साकिन, हरियाणा के टोपरा कलां और राजस्थान के बहज नामक पुरातत्व स्थलों से ताम्रयुगीन, महाभारतकालीन, मौर्यकाल, शुंग काल और कुषाण काल के अनेक महत्वपूर्ण पुरावशेष मिले हैं। तिलवाड़ा साकिन गांव में हुए उत्खनन से 4,000 साल पुराने रथ का पहिया मिला है, जो तांबे की परत से ढका हुआ है। 1900 से 1500 ईसा पूर्व के तांबे की कटारें, तलवारें, औजार मिले हैं। तिलवाड़ा साकिन से केवल 10 किमी दूर सिनौली गांव से भी तांबे की परत चढ़े तीन युद्ध रथ और अति दुर्लभ लकड़ी के ताबूत में संरक्षित किए गए आठ मानव कंकाल, युद्ध में इस्तेमाल किए जाने वाले कवच, हेलमेट, तांबे की तलवारें, खंजर, स्वर्ण आभूषण प्राप्त हुए हैं। सिनौली में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने सर्वप्रथम 2005 में उत्खनन कार्य कराया था। तब पुरातत्वविदों को यहां से करीब 116 मानव कंकाल, स्वर्णनिधि (बड़ी संख्या में सोने के कंगन, सोने के मनके और सोने की मानवाकृति) प्राप्त हुई थी। तिलवाड़ा साकिन और सिनौली में मिले पुरावशेषों में एकरूपता की झलक मिलती है। यह पूरा परिक्षेत्र कुरु वंश की राजधानी हस्तिनापुर के अंतर्गत आता था। तिलवाड़ा और सिनौली की खुदाई में जो बर्तन और दाह संस्कार के प्रमाण मिले हैं, वे महाभारत, रामायण और वेद जैसे प्राचीन ग्रंथों में वर्णित कथाओं से मेल खाते हैं। दोनों स्थलों से मिले गेरूए मृदभांड और तांबे के बर्तनों की संरचना, नक्काशी और आकार एक जैसा है। इन दोनों स्थलों से मिले अवशेषों की कार्बन डेटिंग भी हुई है। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे पुरानी योद्धा जनजातियों में से एक यहां निवास कर रही थी। ये लोग प्रवासी नहीं, बल्कि हड़प्पा सभ्यता से अलग संस्कृति वाले स्वदेशी योद्धा थे। इससे यह भी पता चलता है कि वैदिक युग के लोग बहुत कुशल कारीगर थे। उन्हें धातु पिघलाना, उसे ढालना और लकड़ी पर तांबे की परत चढ़ाना अच्छी तरह आता था। महिलाओं के कंकालों के साथ मिली तलवारें और अन्य पुरावशेष इस बात के सुबूत देते हैं कि प्राचीन भारत में महिलाओं की सामाजिक हैसियत पुरुषों के बराबर थी।

आज का विचार

सांसद अपनी भी समीक्षा करें, संसद की कार्यवाही चलाने की बजाय रोकने की कवायद तेज होने लगी

सरकार के लिए विधेयक अहम हैं। कई बार तो यह सुविधाजनक भी होता है कि अवरोध में ही विधेयक पारित करा लिए जाएं लेकिन सवाल विपक्ष का है कि वह सरकार के मुफीद ऐसा माहौल बनाता ही क्यों है? इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन एक बड़ा कारण होता है हर दो-तीन महीने में होने वाले चुनाव। ऐसे में सबको वही मुद्दे चाहिए जो गर्मी पैदा कर सकें।

पा संविधान, लोकतंत्र तो कुछ अरसे से राजनीति में चर्चा के केंद्र में है ही, लेकिन वक्त आ गया है कि अब विधायिका पर भी चर्चा हो और इसका ठोस आकलन हो कि संसद जन आकांक्षाओं को पूरा कर पा रही है या नहीं? यदि नहीं तो इसके लिए उत्तरदायी कौन हैं, कितना हैं और क्यों हैं? संसद सही तरह से तब काम करेगी, जब पक्ष-विपक्षी के दल यानी सांसद अपना काम ठीक से करेंगे। संसद के सदस्यों को कैसे जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए, एक स्वतंत्र एजेंसी इसका पूरा अध्ययन कर जनता के सामने रख दे कि किसे जिम्मेदार माना जाए? संसदीय परंपरा, नियम-कानून की कसौटी पर यह अध्ययन हो और उसे सार्वजनिक किया जाए। यह इसलिए जरूरी हो गया है, क्योंकि साल दर साल संसद की कार्यवाही चलाने की बजाय रोकने की कवायद तेज होने लगी है। बहस की गुणवत्ता के बजाय शोर के जोर से सफलता आंकी जाने लगी है। जनता के असल मुद्दों के बजाय आमतौर पर सतही राजनीतिक और चुनावी मुद्दे हावी होने लगे हैं। याद कीजिए कि किसी संसदीय सत्र से पहले ऐसी खबर पढ़ी क्या कि सत्र बहुत फलदायक होने वाला है... । यह खबर हर बार पढ़ी होगी कि हंगामेदार रहेगी। आरोप-प्रत्यारोप इस पर चलता है कि संसद चलाने की जिम्मेदारी किसकी है? सरकार विधेयक लेकर आती है। विपक्ष के पास पूरा अधिकार होता है कि उन पर अपने विचार रखे, लेकिन विपक्ष का एजेंडा तय करता है कि सदन की कार्यवाही चल पाएगी या नहीं? राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मुद्दों में थोड़ी भी रुचि रखने और दलगत राजनीतिक हित से अधिक देश की चिंता करने वाले किसी जागरूक नागरिक से यदि पूछा जाए कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत-पाक सैन्य टकराव रुकवाने का जो दावा किया गया, उस पर प्रधानमंत्री मोदी और सरकार का क्या कहना है? जवाब यही आएगा कि प्रधानमंत्री ने उस दावे को कड़ाई से तब खारिज कर दिया था, जब वह कनाडा गए थे और वहां से ट्रंप पर फोन से बात की थी। आपरेशन सिंदूर के बाद कई देशों में गए संसदीय प्रतिनिधिमंडल में सब दलों के सांसदों ने वैश्विक मंच पर क्या कहा, सबको पता है। इन प्रतिनिधिमंडलों में कांग्रेस के भी कई सांसद थे। आखिर संसद में विपक्ष क्या जानना चाहता है? ट्रंप के बड़बोलेपन से दुनिया परेशान है। जिन देशों के साथ वह व्यापार समझौते की घोषणा कर रहे हैं, वे अचंभित हैं, लेकिन हमारे तमाम विपक्षी सांसद हैं कि उन्हें ट्रंप के बडबोले बयानों और बेतुके दावों पर चर्चा करनी है। आपरेशन सिंदूर में सेना की वीरता पर देश का सीना गर्व से चौड़ा है। संसद में बहस करना चाहें तो कर लें, लेकिन क्या सेना की रणनीति पर चर्चा करेंगे या सेना को यह बताने की कोशिश करेंगे कि सैन्य रणनीति कैसे बनाई जाती है? ऐसे मुद्दों पर संसदीय स्थायी समिति में खुलकर बात हो सकती है, लेकिन जोर सदन में चर्चा का है। बिहार में चुनाव आयोग की ओर से चल रहा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट में है। पहली सुनवाई में कोर्ट ने रोक लगाने से इन्कार कर दिया और संभवत: अगले सप्ताह फैसला आ सकता है। फिर चर्चा किस चीज पर? फिलहाल तो सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के अधिकार को माना है और केवल समय को लेकर और नागरिकता तय करने के संदर्भ में सवाल उठाया है। आखिर हर संसद सत्र में घड़ी की सुई को पीछे लाने की कोशिश क्यों होती है? सदन में जरूरी मुद्दों पर चर्चा होनी ही चाहिए, लेकिन उस चर्चा का सार्थक होना भी जरूरी है, खासकर तब जब संसद साल में बमुश्किल 40-50 दिन ही सुचारू हो पाती है दलों की ओर से मांग की जाती रही है कि साल में कम से कम सौ दिन सत्र चलना चाहिए, लेकिन अब इस मांग की ईमानदारी पर भरोसा नहीं होता। चाहें तो सदस्यों की उपस्थिति का रजिस्टर देख लें। क्या वक्त नहीं आ गया है कि सदस्यों की उपस्थिति को जरूरी किया जाए। कुछ देशों में ऐसे नियम हैं। अवरोध कम करने के लिए कुछ वर्षों से राज्यसभा में प्रश्नकाल से पहले शून्यकाल कर दिया गया है। इसका थोड़ा सकारात्मक असर दिखा है। लोकसभा में भी इस पर विचार होना चाहिए। इसके भी ठोस नियम बनने चाहिए कि सप्ताह में चार दिन केवल सूचीबद्ध विषयों पर ही कार्यवाही चलेगी। आखिरकार सप्ताह के लिए बनने वाले एजेंडे में तो सभी बड़े दल शामिल होते ही हैं। ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं, जो सख्त नियम-कायदे को लोकतंत्र के ही खिलाफ बताएंगे, लेकिन संसदीय अराजकता और मनमानी को भी तो लोकतंत्र नहीं कहा जा सकता। बात किसी दल की नहीं, सरकार और विपक्ष के मानसिकता की है। संसद को सही तरह चलना ही होगा। कई विधानसभाएं ऐसी हैं, जो साल में 30 दिन भी नहीं चलती हैं, जबकि संविधान में अधिकतम छह महीने में सत्र बुलाने की बाध्यता है। कुछ समय पहले तक दिल्ली में तो विधानसभा को राजनीतिक मंच बना दिया गया था। यहां आम आदमी पार्टी की सरकार कवच ओढ़कर मोदी सरकार पर मनचाहे आरोप लगाती थी, क्योंकि विधाई सदन में की गई टिप्पणियों पर कोर्ट में केस नहीं किए जा सकते। दो दिन के सत्र बुलाए जाते थे, फिर रोक दिए जाते थे। फिर इच्छा के अनुसार सत्र आहूत कर लिया जाता था। जिस विधाई सदन में बहुमत के लिए राजनीतिक दल कमर कसे खड़े होते हैं, उसे प्रासंगिक बनाने, सुचारू करने में किसी की रुचि नहीं दिखती। सरकार के लिए विधेयक अहम हैं। कई बार तो यह सुविधाजनक भी होता है कि अवरोध में ही विधेयक पारित करा लिए जाएं, लेकिन सवाल विपक्ष का है कि वह सरकार के मुफीद ऐसा माहौल बनाता ही क्यों है? इसके कई कारण हो सकते हैं, लेकिन एक बड़ा कारण होता है हर दो-तीन महीने में होने वाले चुनाव। ऐसे में सबको वही मुद्दे चाहिए, जो गर्मी पैदा कर सकें। ब्रेकिंग न्यूज बना सकें। आरोप-प्रत्यारोप का मंच दे सके। क्या मान लेना चाहिए कि संसद तभी सुचारू ढंग से चल पाएगी और प्रासंगिक हो पाएगी, जब लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करा लिए जाएं? एक साथ चुनाव कई मर्ज की दवा साबित हो सकता है। तब गृहमंत्रालय के पास भी एनआरसी को पूरा करने का वक्त होगा और चुनाव आयोग के पास मौका होगा कि उसके आधार पर मतदाताओं की सूची दुरुस्त कर ले।

राशिफल

मेष राशि: आपका दिन सोच-समझकर फैसले लेने वाला होगा। अगर आप व्यापार के मामले में कोई निवेश करने का विचार बना रहे हैं, तो पहले अच्छी तरह हर पक्ष को जरूर देख लें। साथ ही, भविष्य के लाभ के बारे में भी एक बार जरूर सोचें तभी जाकर आप सफलता प्राप्त कर पाएंगे।

वृषभ राशि : दिन अच्छा रहने वाला है। व्यापार के मामले में आपके दूर तक सोचने वाला व्यवहार कामकाज पर में भी नजर आएगा। इसी के चलते आपको लाभ भी प्राप्त हो सकता है। कार्यस्थल पर आपके अनुभव की दूसरे लोग भी सराहना करेंगे, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। मिथुन राशि करियर राशिफल: धन का करें सही उपयोग

मिथुन राशि: कार्यक्षेत्र में वातावरण सुधरता नजर आ सकता है। जिससे आपका तनाव कम होगा और इसी के चलते स्वास्थ्य भी बेहतर होता जाएगा। व्यापार के मामले में अगर आप अपना धन किसी सही योजना या निवेश में लगाते हैं, तो इससे लाभ प्राप्त हो सकता है।

कर्क राशि: व्यापार के मामले में आपके लिए परिस्थितियां बदल सकती हैं। अगर आपके कुछ जरूरी कार्य या लाभ कहीं बीच में अटके हुए थे तो अब सारी बाधाएं दूर हो सकती हैं। आपको कड़ी मेहनत का फल अब प्राप्त होने लगेगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

सिंह राशि: कार्यक्षेत्र में सफलता पाने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। अगर आपके जरूरी कार्यों में देरी हो रही है, तो इसका तनाव न लें। ये परेशानियां एक दो दिन के भीतर दूर हो जाएंगी और आपके काम पूरे होने लगेंगे। इससे आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में भी सुधार होगा।

कन्या राशि: काम धंधे के क्षेत्र में आपको अपने अधूरे कार्यों को समय पर पूरा करना होगा तभी सफलता प्राप्त होगी। जीवन में कुछ बदलाव के लिए आप कहीं घूमने जाने का प्लान भी बना सकते हैं। इससे आपको थोड़ा बेहतर महसूस होगा।

तुला राशि : व्यापार के मामले में आपके लिए धन निवेश करना फायदेमंद हो सकता है। इससे कुछ मुश्किल परिस्थितियां संभाली जा सकती हैं और बेहतर लाभ प्राप्त होने की भी संभावना है।

वृश्चिक राशि : कार्यक्षेत्र में आपने जो पहले निर्णय लिए थे वे अब लाभदायक साबित हो सकते हैं। धन लाभ के भी अच्छे योग बन सकते हैं, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। किसी व्यक्ति के द्वारा किया गया परोपकार आपके लिए वरदान साबित हो सकता है।

धनु राशि: व्यापार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और कार्यक्षेत्र में कामकाज अच्छा चलेगा। नौकरी करने वालों के लिए भी समय अनुकूल है। वहीं, घर-परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा सकता है और विवाह योग्य सदस्य के लिए रिश्ते की बात भी हो सकती है।

मकर राशि: अगर कार्यक्षेत्र में किसी व्यक्ति के साथ आपका विवाद चल रहे है तो उसे बातचीत के जरिए सुलझाना होगा। साथ ही, नए संपर्क बनाने से आपको व्यापार में लाभ हो सकता है। इसके अलावा, अगर किसी मित्र के साथ अनबन चल रही थी तो वह भी अब दूर हो सकती है

कुंभ राशि : कार्यक्षेत्र में आपको अपने आसपास के सही और गलत लोगों के बीच में पहचान करनी होगी, अन्यथा आपका सम्मान कम हो सकता है। वहीं, अगर पिता से जुड़ी किसी संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है, तो वह अब सुलझ सकता है।

मीन राशि: कामकाज में आपका मन थोड़ा कम लग सकता है और थोड़ी सुस्ती महसूस होगी। किसी चीज के बारे में ज्यादा सोचने से मानसिक तनाव बढ़ सकता है या स्वास्थ्य भी खराब हो सकता है। कार्यक्षेत्र में किसी अविश्वसनीय व्यक्ति के चलते आपकी मान-प्रतिष्ठा कम हो सकती है। ऐसे में सतर्क रहना जरूरी होगा और खुद को संतुलित बनाए रखें।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

हिंदी भाषा का वैश्विक जनाधार

संजीव ठाकुर

वर्तमान में हिंदी भाषा वैश्विक स्तर पर उपभोक्तावाद और व्यवसाय बड़ा माध्यम हो गई है और वैश्विक स्तर पर हिंदी के मध्य उर्दू और अंग्रेजी ने अपनी जगह बनाई है। आज स्थिति यह है कि हिंदुस्तान में ही हिंदी से ज्यादा अंग्रेजी के कई शब्द मिलाकर हिग्लिश भाषा बोली जाती है। न्यूज चैनल में न्यूज एंकर विशुद्ध हिंदी की जगह हिग्लिश ही बोलकर अपनी इतिश्री कर लेते हैं। और तो और अब हिंदी के बड़े साहित्यकार भी हिंदी में अंग्रेजी तथा उर्दू के शब्द मिलाकर लिख रहे हैं, बोल रहे हैं, और पढ़ रहे हैं। विडंबना यह है कि भारत में 141 करोड़ उपभोक्ता की उपस्थिति में विशुद्ध हिंदी का प्रयोग करना थोड़ा कठिन हो जाता है जैसे हम टी,वी, को दूरदर्शन नहीं कहते, इंटरनेट को इंटरनेट ही लिखा जाता है, अंतरजाल नहीं लिखा जाता। यह जितनी अंग्रेजी की शब्दावली हिंदी में जुड़ी हुई है, यह संचार माध्यम टी,वी व्हाट्सएप, फेसबुक, ट्विटर, इंटरनेट सीधे-सीधे उपभोक्ताओं के बाजार वाद के कारण जुड़े हुए हैं। हिंदुस्तान में लगभग 141 करोड़ उपभोक्ता निवास करते हैं, और उन तक पहुंचने के लिए हिंदी का प्रयोग अंग्रेजी तथा उर्दू की मिलावट के साथ किया जाता है। वैश्विक स्तर पर भी देखा जाए तो हिंदुस्तानी मूल के लोग श्रीलंका, मॉरीशस, फिजी, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, न्यू जीलैंड, साउथ अफ्रीका में फैले हुए हैं। ऐसे में हिंदी का वैश्विक विस्तार अपने आप हिंदी भारतीय अप्रवासी, प्रवासी भारतीय लोगों के माध्यम से होने लगता है। फिर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रॉस, इटली, जापान, चाइना इनके उत्पादक को भारत के उपभोक्ताओं के बीच बेचने के लिए उन्हें हिंदी की आवश्यकता होती है, भारत एक शक्तिशाली उपभोक्ता बाजार है। एक साथ एक ही जगह इतने ग्राहक मिलना किसी अन्य देश में असंभव है। इन परिस्थितियों में विश्व का हर देश अपने बनाए गए उत्पादन का बाजार खोजने भारत की ओर खिंचा चला आता है। और हिंदी को माध्यम बनाकर वह अपना माल बेचना शुरू करता है। और इसके लिए टी,वी, इंटरनेट, कंप्यूटर, व्हाट्सएप तथा फेसबुक में हिंदी में विज्ञापन देकर उसका प्रचार प्रसार करता है। विज्ञापनों में हिंदी का व्यापक रूप से प्रचार और प्रसार वैश्विक स्तर पर होने लगा है।

डॉक्टर जयंती प्रसाद नौटियाल ने भाषा शोध अध्ययन 2012 में यह दावा किया है कि विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी ही है। हिंदी में अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का उपयोग करने वालों को पीछे छोड़ दिया है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाए जाने का निर्णय लिया था। इसी तारतम्य में भारत में प्रत्येक पर 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में व्यापक स्तर पर देश की राजधानी दिल्ली चलेगी ग्राम पंचायत तक मनाया जाता है इसके इतर 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस भी मनाया जाता है। डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा है हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या भाषा का तिरस्कार नहीं किया। वैसे भी अंग्रेजों के आगमन के पूर्व हिंदी देवनागरी लिपि में उर्दू तथा फारसी शब्दों का समावेश होता रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद इसने अंग्रेजी शब्दों को भी आत्मसात किया। हिंदी एक विशाल हृदय की विशाल भाषा है। इसमें अन्य भाषा के अपभ्रंश आने से हिंदी कभी मूल रूप से दिग्भ्रमित या विकृत नहीं हो पाई है। यही वजह है कि हिंदी वैश्विक स्तर पर धीरे-धीरे विस्तारित, प्रचारित एवं प्रसारित होती जा रही है। वर्तमान में विश्व में लगभग 45 करोड़ से अधिक लोग हिंदी भाषा बोलते हैं, इसकी सरलता विश्व के लोगों को प्रभावित करती जा रही है, भारत के विद्वानों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों, कवियों, फिल्मी गीत कारों के प्रयासों से हिंदी ने वैश्विक रूप लिया है। हिंदी को वैश्विक रूप से उपभोक्ताओं से जोड़ने के लिए फिल्म निमार्ताओं गीतकार एवं संगीत, गानों का भी बड़ा योगदान रहा है। हिंदुस्तान में बनी फिल्म को विदेशों में रह रहे भारतीय तथा अन्य भाषाई लोग उसके गीतों तथा उसके संवाद के कारण उस फिल्म को देखने जाते हैं, जिससे सीधे-सीधे भारतीय फिल्मकारों को विदेशी मुद्रा का अर्जन होता है। इस तरह उपभोक्तावाद, बाजारवाद के नजरिए से देखें तो हिंदुस्तानी उपभोक्ताओं का बहुत बड़ा बाजार वैश्विक स्तर पर फैला हुआ है। जिससे हिंदी भाषा न सिर्फ बाजारवाद की भाषा बनी है, बल्कि साहित्यिक रूप से भी गीत, गजल और गानों के रूप में समृद्ध हुई है। वर्तमान में हिंदी न सिर्फ हिंदुस्तान में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय होती जा रही है। भारत में हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए 14 सितंबर को हिंदी दिवस मना कर एवं वैश्विक स्तर पर विश्व हिंदी सम्मेलन अलग-अलग देशों में आयोजित किया जाता रहा है। इस संदर्भ में पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने कहा कि हिंदी के प्रचार प्रसार तथा विस्तार को कोई भाषा रोक नहीं सकती है। हिंदी भारत की एकमात्र ऐसी भाषा है, जिसके माध्यम से भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न भाषा वासी लोग आपस में अपने विचारों का आदान-प्रदान सकते हैं। एनी बेसेंट ने हिंदी भाषा को लेकर काफी सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं मैं जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह हिंदी है। वह व्यक्ति जो हिंदी जानता है पूरे भारत में किसी भी प्रांत की यात्रा कर सकता है और हिंदी बोलने वालों से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। अब तो बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने उत्पादों का प्रचार प्रसार पूर्णता हिंदी में करना शुरू कर दिया। इसी तारतम्य में यदि यह कहा जाए कि हिंदी वैश्विक बाजार वाद या उपभोक्तावाद की सबसे बड़ी एवं सशक्त भाषा बन गई है, तो यह अतिरेक नहीं होगा। अंग्रेजी जरूर अंतर राष्ट्रीय भाषा है, पर हिंदी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बोले जाने वाली द्वितीय भाषा तो जरूर है ही, एवं उपभोक्ताओं के लिए यह प्रथम स्थान रखती है। भारत में हिंदी भाषा सभी प्रांतों सभी राज्यों को एकता के सूत्र में पिरोने वाली एक मातृभाषा स्थापित रूप से है। इसीलिए इसे राजभाषा तथा राष्ट्रभाषा का वास्तविक सम्मान दिए जाने की आवश्यकता है।

महादेव का महापर्व : कावड़ यात्रा

डॉ. नीरज भारद्वाज

भारतवर्ष देवताओं की भूमि है, यहां देवताओं ने मानव देह में जन्म लिया है। यह सभी कुछ हमारे वेदों, शास्त्रों में बताया गया है। हमारे वेद, शास्त्र, पुराण, उपनिषद आदि सभी ज्ञान के विपुल भंडार हैं। इनमें जो लिखा है उसी के आधार पर समाज, पर्यावरण, चिकित्सा, शिक्षा आदि सभी को अच्छे से जाना-समझा जा सकता है। भारतीय और वैश्विक समाज हमारे ग्रंथो के ज्ञान की ताकत को जानते-समझते रहे हैं। हमारे ग्रंथो को कितने ही आक्रमणकारी यहां से अपने देश ले गए, फिर उनका अनुवाद कर अपने अनुसंधान और शोध को आगे बढ़ाया। अपनी भाषा में प्रकाशित कर उसे अपना बना लिया। आक्रमणकारियों ने हमारे ग्रंथो को जला दिया, उसे फाड़कर बहा दिया। इस देश की पावन पुनीत भूमि में ज्ञानियों की कमी नहीं रही है। हमारे संतों, महात्माओं, मनीषियों ने अपने तपोबल और व्रत से ज्ञान की उस धारा को फिर से प्रबल रूप से जीवित कर दिया। समय के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को देने में कुछ कमियां भी रह गई होगी, लेकिन ज्ञान का प्रवाह जीवित है और आगे भी रहेगा। हमारे शास्त्र हमारे आदर्श हैं। उन्हीं के आधार पर हम अपने तीज, त्योहार, व्रत, पावन बेला आदि को मनाते हैं। हमारे शास्त्रों में लिखा एक-एक शब्द सत्य है, उसे कोई काट नहीं सकता। हमारे शास्त्रों में देव पूजा के बारे में भी बताया-समझाया गया है। हमारे देवों के देव हैं- महादेव अर्थात भोले शंकर। महादेव को कितने ही अन्य नामों से भी जाना जाता है- चंद्रशेखर, त्रिलोचन, नीलकंठ आदि। हर एक नाम के पीछे एक लंबी कथा है। मां गंगा और गंगाजल की सभी कथाएँ महादेव से जुड़ी हैं। हम यहां गंगाजल की पावन यात्रा अर्थात कावड़ यात्रा पर बात कर हैं। हरिद्वार और गोमुख के पावन तट से करोड़ों श्रद्धालु गंगाजल लेकर अपनी कावड़ यात्रा अपने-अपने ग्राम देवता, इष्ट देवता आदि पवित्र स्थानों पर ले जाकर करते हैं। कुछ युवा तो हरिद्वार से रामेश्वरम तक कावड़ लेकर जाते हैं। कावड़ यात्रा के पवित्र गंगाजल को भक्त भगवान शिव को अर्पित करते हैं। कावड़ यात्रा में पवित्र गंगाजल को भक्त अपने अलग-अलग अंदाज में लेकर आते हैं- झूला कावड़, खड़ी कावड़, डाक कावड़ आदि। इस कावड़ यात्रा में गाते-बजाते-नाचते भोले मस्त होकर चलते हैं। अब तो कावड़ यात्रा में झांकी रूपी कावड़ भी आने लगी हैं। भोले शंकर की झांकियां हरिद्वार से दिल्ली और अन्य स्थानों तक दिखाई दे जाती हैं। महंगे गाजे-बाजे, डीजे, नाचते-गाते भक्त रास्ते भर दिखाई दे जाते हैं। भगवान शंकर की अलग-अलग मुद्राओं की झांकियां देखते ही बनती हैं। मनमोहक दृश्य किसी में भी रोमांच भर देता है।

कावड़ यात्रा में हर आयु, वर्ग, लिंग का व्यक्तित्व मिल जाता है। छोटे-छोटे बच्चे, युवा, वृद्ध, माताएं-बहनें आदि अपने-अपने समूह में चलते दिखाई दे जाते हैं। कोई युवा साथी तो अपने माता-पिता को ही तराजू रूपी झूले में बैठकार चल रहा है तो कोई सेना की मिसाइल का मॉडल कावड़ रूप में लेकर चल रहा है। कावड़ यात्रा का यह पर्व सावन महीने से आरंभ होता है। भारतवर्ष के किसी क्षेत्र में यह कावड़ यात्रा आधे महीने तक चलती है तो कहीं पूरे सावन महीने तक चलती है। कहीं सावन के हर सोमवार को भोलेनाथ पर पवित्र कावड़ से जल चढ़ाया जाता है। भगवान भोलेनाथ सभी भक्तों में ऐसे ही प्रेम, भक्ति, शक्ति, योग, सेवा भाव आदि गुण भरते रहें। एक अनुमान यह भी बताता है कि इस वर्ष हरिद्वार और गोमुख से पाँच करोड लोग कावड़ उठाकर अपनी यात्रा पूरा करने वाले हैं।

शर्म नहीं आती, ये हाईकोर्ट का फैसला है...

12 आरोपियों की रिहाई पर उठे सवाल तो ओवैसी के बाद भड़के अबु आजमी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई लोकल ट्रेनों में सीरियल ब्लास्ट के मुद्दे पर राजनीति गरमाती जा रही है। महाराष्ट्र सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इस पर पहली सुनवाई 24 जुलाई को होगी। दूसरी तरफ सपा नेता अबु आसिम आजमी ने फैसले की आलोचना करने वालों पर हमला बोला है।

मुंबईः 2006 मुंबई लोकल ट्रेन में बम ब्लास्ट केस पर एआईएमआईएम चीफ असुदद्दीन ओवैसी की प्रतिक्रिया के बाद अब समाजवादी पार्टी के नेता अबु आसिम आजमी की प्रतिक्रिया सामने आई है। आजमी ने उन लोगों को निशाने पर लिया है जो बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर सवाल खड़ा कर रहे हैं। मुंबई ट्रेन ब्लास्ट के दोषियों के बरी होने पर बोलते हुए आजमी ने पुलिस पर मुसलमानों को बिना सबूत गिरफ्तार करने का आरोप लगाया। उन्होंने अफसरों पर कार्रवाई की मांग की है। 12 आरोपियों को बरी किए जाने पर आजमी ने कहा कि मेरे लिए बहुत खुशी का दिन है। मुंबई सीरियल ब्लास्ट में जिन लोगों को गिरफ्तार किया था, वे बेकसूर थे। आजमी ने कहा कि मैं पहले दिन से कह रहा था। 2006 में मुंबई की लोकल ट्रेन में सीरियल ब्लास्ट हुए थे। पहला धमाका मांटुगा और आखिरी ब्लास्ट मीरा रोड पर हुआ था। मुंबई लोकल ट्रेन बम धमाकों में 12 आरोपियों के बरी होने पर महाराष्ट्र में राजनीति और गरमाने की उम्मीद है, हालांकि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अगुवाई वाली महायुति सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट में इस पर 24 जुलाई को पहली सुनवाई होगी। बहुत सारे फिरकापरस्त कह रहे हैं कि हमें यह फैसला मंजूर नहीं है। शर्म नहीं आती आपको, हाईकोर्ट का फैसला आया हुआ। जब फांसी मिली थी तो बहुत खुश हो रहे थे आप, अब सच्चाई सामने आ गई तो आपका दिल सुनने का तैयार नहीं है। देश में जानबूझकर मुसलमानों को फंसाया जा रहा है। मुझे अफसोस है कि कुछ नेता बेकसूरों के छूटने को दुर्भाग्यपूर्ण बता रहे हैं। अगर निदोर्षों को फांसी मिल जाए तो खुशी मिल जाएगी। आजमी ने मांग कि पहले बहुत दिनों तक इस मामले में कोई अरेस्ट नहीं हुआ। फिर अचानक एटीएस के चीफ और डीजीपी दोनों ने कहा कि हमें सुराग मिल गया है। 19 साल तक जेल में रखा गया। 5-6 लोगों को फांसी की सजा सुनाई गई।

आजमी ने कहा कि लंबी जद्दोजहद के बाद जब मोबाइल कॉल कॉल रिकॉर्ड में पता चला कि कोई तब पता चला कि इनमें से एक भी शख्स ट्रेन के अगल-बगल नहीं था। आजमी ने कहा कि उनकी मांग है कि सरकार को इस मामले में तुरंत एसआईटी का गठन करें। अगर ये लोग छूट गए हैं तो फिर ब्लास्ट का असल दोषी कौन है? कोई न कोई तो था, जिसने ब्लास्ट किया था। आजमी ने कहाबेकसूरों को 19 साल का हजार्ना मिलना चाहिए और इन्हें पकड़ने वाले अफसरों का कार्रवाई होनी चाहिए। अबू आसिम आजमी से पहले एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने बॉम्बे हाई कोर्ट की ओर से 12 आरोपियों को बरी किए जाने के बाद सवाल उठाया था। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार से पूछा कि क्या वह इस मामले की जांच करने वाले अपने एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। ओवैसी ने कहा था 12 मुस्लिम 19 साल तक एक ऐसे अपराध के लिए जेल में रहे जो उन्होंने नहीं किया। उनके जीवन के महत्वपूर्ण साल चले गए। 180 परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया, कई घायल हुए। उन्हें कोई राहत नहीं मिली। ओवैसी ने कहा कि अक्सर निर्दोष लोग जेल में डाल दिए जाते हैं और सालों बाद बरी होने पर उनके पास अपनी जिंदगी फिर से शुरू करने का कोई रास्ता नहीं होता।

फास्ट ट्रैक

गढ़चिरौली में स्टील प्लांट, हॉस्पिटल और टाउनशिप...

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने रेड कॉरिडोर में रखी बदलाव की नींव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

नागपुरः नक्सलियों के गढ़ रहे महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में बदल रहा है। 80 फीसदी घने जंगल वाले गढ़चिरौली में 75 साल बाद जनवरी में बस चली थी। अब महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फड़णवीस ने गढचिरौली में इंटिग्रेटेड स्टील प्लांट, 100 बेड के हॉस्पिटल, स्कूल और टाउनशिप की आधारशिला रखी। इसके अलावा हेदरी में आयरन ग्रिंडिंग यूनिट और पैलेट प्लांग का उद्घाटन भी किया। रेड कॉरिडोर में इंडस्ट्री की एंट्री से नक्सली हिंसा की विदाई मानी जा रही है। गढ़चिरौली नक्सलियों का एक ऐसा किला रहा है, जहां सरकारी विकास परियोजनाओं के पहुंचने में सात दशक लग गए। रेड कॉरिडोर के जंक्शन माने जाने इस इलाके में रहने वाले आदिवासी लंबे समय तक दोहरे खौफ में जीते रहे। कमांडो दस्ते का ऑपरेशन और नक्सलियों की महापंचायत दोनों उनके लिए मुसीबत बन गई थी। रोजगार नहीं होने के कारण युवा नक्सल आंदोलन की ओर जा रहे थे। स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसी बुनियादी जरूरतों को पूरा करना सरकार के लिए आसान नहीं था, क्योंकि पूरे इलाके में नक्सली कमांडर की समानांतर सत्ता चलती थी। जिले के काटेझरी गांव में जब पहली बार बस पहुंची, तो इसका जिक्र खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25 मई 2025 को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में इसका जिक्र किया था। महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और तेलगांना से जुड़े होने का कारण गढ़चिरौली सात दशक तक नक्सलियों का सेफ जोन रहा। किसी भी राज्य में हिंसा करने के बाद नक्सली आसानी से दूसरे राज्य में गढ़चिरौली के रास्ते भाग जाते थे। जब केंद्र सरकार ने नक्सलियों के खिलाफ जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया तो छत्तीसगढ़ के बस्तर, बीजापुर और गढ़चिरौली में एनकाउंटर का सिलसिला शुरू हुआ। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में पिछले जून तक इस साल 226 नक्सली मारे गए, जिनमें केशवराव, सुधाकर, बसवराजू जैसे पोलित ब्यूरो के टॉप कमांडर शामिल हैं।

महाराष्ट्र में लौटी 'जुलाई की बारिश', कोंकण में 'ऑरेंज अलर्ट'

मुंबई-ठाणे में भी भारी बारिश की संभावना

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईवासियों को जुलाई के पहले 20 दिनों में बारिश का इंतजार था, लेकिन रविवार से भारी बारिश शुरू हो गई। मौसम विभाग ने दक्षिण कोंकण के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है और मुंबई में भी भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में भारी बारिश की संभावना है।

मुंबईः मुंबई में आने वाले दिनों में खूब बारिश होने वाली है। जुलाई के पहले 20 दिनों में ज्यादा बारिश न होने वाली मुंबई में रविवार रात से भारी बारिश हुई। मुंबईवासियों को लगा कि आखिरकार जुलाई की बारिश आ ही गई। रविवार और सोमवार को मुंबई के उपनगरों में जमकर बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, अगले चार दिनों के लिए दक्षिण कोंकण में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। बुधवार और गुरुवार को मुंबई में कुछ जगहों पर भारी बारिश की संभावना है। मुंबई के सांताक्रूज केंद्र में रविवार सुबह 8:30 बजे से सोमवार सुबह 8:30 बजे तक 24 घंटों में 114.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, कोलाबा में सिर्फ.11.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। कोंकण में कुछ जगहों पर बारिश की तीव्रता बढ़ गई। अलीबाग में 90 मिमी, मुरुड में 77 मिमी और श्रीवर्धन में 65 मिमी बारिश दर्ज की गई। अगले चार-पांच दिनों में दक्षिण कोंकण में बारिश की तीव्रता बढ़ने की उम्मीद है। मुंबई में सोमवार सुबह 8:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक, सांताक्रूज में 87 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि कोलाबा में केवल आठ मिमी बारिश दर्ज की गई। विलेपार्ले, सांताक्रूज में दिन में 90 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। मुंबई क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र की प्रमुख शुभांगी भूटे ने बताया कि मॉनसूनी हवाएं फिर से सक्रिय हो गई हैं और अब वायुमंडलीय परिस्थितियां भी बारिश के लिए अनुकूल हैं। नमी बढ़ गई है और हवाओं की गति भी बढ़ने की संभावना है। दक्षिणी ओडिशा के ऊपर हवा की ऊपरी परत में एक चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना है और उत्तरी कर्नाटक से आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तट तक एक पूर्व-पश्चिम द्रोणिका बनी है। बंगाल की खाड़ी के उत्तर में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। इससे 27 जुलाई तक राज्य में बारिश बढ़ने की उम्मीद है। मंगलवार से शुक्रवार तक रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग तीनों जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। इसकी तुलना में उत्तरी कोंकण में बारिश की तीव्रता कम रहेगी। बुधवार और गुरुवार को मुंबई और ठाणे में कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना है। ठाणे जिला गुरुवार को 'ऑरेंज अलर्ट' पर है। पालघर में बुधवार और गुरुवार को भारी बारिश होने की संभावना है। कोल्हापुर और सतारा घाट क्षेत्र मंगलवार से 'ऑरेंज अलर्ट' पर हैं, जबकि पुणे घाट क्षेत्र बुधवार से 'ऑरेंज अलर्ट' पर हैं।

उद्धव ठाकरे की सरकार गिराने के लिए 18 विधायकों को किया गया हनीट्रैप

सामना में यूबीटी ने लगाए आरोप, जानें सबकुछ

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः 2022 में महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे की सरकार गिरान के लिए 18 विधायकों और 4 सांसदों को हनीट्रैप किया गया था। छवि खराब होने के डर से विधायकों ने पार्टी छोड़कर महायुति का दामन थाम लिया। शिवसेना (यूबीटी) के अखबार सामना में दावा किया गया है कि हनीट्रैप के लिए महाविकास अघाड़ी के विधायकों और सासंदों के फोन में पेगासस जैसे सिस्टम का इस्तेमाल किया गया था। महाराष्ट्र में हनीट्रैप मामले में प्रफुल लोढ़ा को अरेस्ट किया गया है। सामना में ऐसे वक्त पर यह दावा किया गया है जब शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत खुद इस मुद्दे पर मुखर हैं, हालांकि सीएम फडणवीस कह चुके हैं कि राज्य में ऐसा कोई मामला नहीं हुआ है। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हनीट्रैप का जिन्न सामने आया है। ठाकरे परिवार के मुखपत्र सामना में दावा किया गया है कि 2022 में उद्धव ठाकरे की सरकार गिराने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों के अलावा हनीट्रैप जैसे खेल हुए। कुछ विधायकों ने ईडी और सीबीआई के दबाव में पार्टी बदली। सामना में छपे रिपोर्ट में आरोप है कि बगावत करने वाले एकनाथ शिंदे के पास पहले 9-10 विधायक थे, मगर तब नेता विपक्ष रहे देवेंद्र फडणवीस ने सांसदों और विधायकों को ब्लैकमेल किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में भी यह दावा किया जा रहा है कि जांच में कई बड़े चेहरे बेनकाब हो सकते हैं।

मीरा रोड स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर स्थित

द्वितीय दक्षिणी फुट ओवर ब्रिज की दक्षिणी सीढ़ी बंद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई,, मीरा रोड स्टेशन पर चल रहे स्टेशन सुधार कार्यों के अंतर्गत, प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर स्थित द्वितीय दक्षिणी फुट ओवर ब्रिज (FOB) की दक्षिण दिशा की सीढ़ी को हटाया जाना आवश्यक है।उपरोक्त के मद्देनजर यह सीढ़ी 25 जुलाई, 2025 की रात से यात्रियों के लिए बंद रहेगी। यात्री प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 पर स्थित मिडिल एफओबी, नॉर्थ एफओबी तथा साउथ एफओबी से जुड़ी सीढ़ियों, एस्केलेटरों एवं लिफ्टों का उपयोग कर सकते हैं। यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट किया जाता है।

क्लास वन ऑफिसर ने जासूसी कैमरे से पत्नी के नहाने का वीडियो किया रिकॉर्ड, फिर... पुणे में घिनौनी हरकत

महाराष्ट्र के पुणे जिले में पति-पत्नी के रिश्ते को कलंकित करने वाली एक घटना सामने आई है। एक शख्स ने अपनी पत्नी पर नजर रखने के लिए अपने घर में जासूसी कैमरे लगवा लिए। वह यहीं नहीं रुका। उसने न सिर्फ घर में बल्कि घर के बाथरूम में भी जासूसी कैमरे लगवाए।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

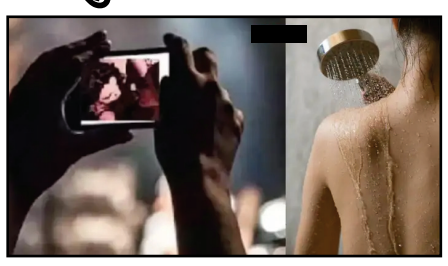

पुणेः महाराष्ट्र के पुणे जिले में पति-पत्नी के रिश्ते को कलंकित करने वाली एक घटना सामने आई है। एक शख्स ने अपनी पत्नी पर नजर रखने के लिए अपने घर में जासूसी कैमरे लगवा लिए। वह यहीं नहीं रुका। उसने न सिर्फ घर में बल्कि घर के बाथरूम में भी जासूसी कैमरे लगवाए। इस दरिंदे पति ने अपनी पत्नी का नहाते हुए वीडियो बनाया और फिर वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। यह घिनौनी घटना पुणे से सामने आई है। दिलचस्प बात यह है कि यह दरिंदगी किसी अनपढ़ कपल के साथ नहीं हुई। बल्कि क्लास वन ऑफिसर पति ने अपनी 30 साल की पत्नी के साथ ऐसा किया, जो खुद भी क्लास वन ऑफिसर है। जब पीड़िता की पत्नी ने इस मामले की शिकायत थाने में की तो पुलिस भी हैरान रह गई। बेशक, यह घटना भी उतनी ही चौंकाने वाली है। पति के बनाए आपत्तिजनक वीडियोएक क्लास वन ऑफिसर के स्तर के अधिकारी को संवेदनशील होने की भावना होती है। क्योंकि क्लास वन ऑफिसर बनने के लिए बहुत शिक्षा और कड़ी मेहनत की जरूरत होती है। इसी संघर्ष में इंसान एक सफलता के शिखर पर पहुंचता है। लेकिन इस घटना में क्लास वन अधिकारी में समझदारी और संवेदनशीलता की कमी साफ दिखाई दे रही है। उसने अपनी ही पत्नी के आपत्तिजनक वीडियो बनाए और पैसों के लिए उन्हें वायरल करने की धमकी दी।

'हम दुश्मन नहीं हैं', महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे, शरद पवार को दिया धन्यवाद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को अपने जन्मदिन पर जारी कॉफी टेबल बुक में उनकी प्रशंसा करने के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को धन्यवाद देते हुए कहा कि वे उनके वैचारिक विरोधी हैं, दुश्मन नहीं।

मुंबईः महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को धन्यवाद दिया। यह धन्यवाद उन्होंने अपनी कॉफी टेबल बुक 'महाराष्ट्र नायक' में उनकी प्रशंसा करने के लिए दिया। दरअसल महाराष्ट्र के राज्यपाल सी पी राधाकृष्णन ने फडणवीस के 55वें जन्मदिन पर राजभवन में उन पर 'महाराष्ट्र नायक' नामक एक ह्यकॉफी टेबल बुकह्न का विमोचन किया। इस घटनाक्रम के बीच फडणवीस के ठाकरे को सत्ता पक्ष में आने के प्रस्ताव और उसके बाद हुई मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में पुनर्मिलन की अटकलों को तेज कर दिया है। फडणवीस ने कहा कि हम वैचारिक रूप से विरोधी हैं, दुश्मन नहीं। उन्होंने आगे कहा कि शरद पवार एक बड़े दिल वाले और वरिष्ठ नेता हैं। उनकी टिप्पणियां मेरे लिए अमूल्य हैं।

पिछले सप्ताह क्या हुआ था?

पिछले हफ्ते उद्धव ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस ने विधान परिषद के सभापति राम शिंदे के कार्यालय में 20 मिनट से ज्यादा समय तक बैठक की। यह बैठक फडणवीस के उस बयान के एक दिन बाद हुई, जिसमें उन्होंने कहा था कि ठाकरे सत्ता पक्ष में एक अलग तरीके से आ सकते हैं। फडणवीस ने कहा था कि कम से कम 2029 तक हमारे लिए वहां (विपक्ष) आने की कोई गुंजाइश नहीं है। उद्धव ठाकरे ने चुनाव बाद महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के बैनर तले कांग्रेस और एनसीपी के साथ सरकार बनाने के लिए अलग हो गए। इस कदम को बीजेपी की ओर से विश्वासघात के रूप में देखा गया।

बीजेपी-शिवसेना में क्यों आई थी दरार?

दरअसल 2014 में सीट बंटवारे को लेकर मतभेद पैदा होने तक बीजेपी और शिवसेना ने 25 सालों से अधिक समय तक एक स्थिर गठबंधन की सरकार चलाई। 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव साथ लड़ने और बहुमत हासिल करने के बावजूद उद्धव ठाकरे ने चुनाव बाद महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के बैनर तले कांग्रेस और एनसीपी के साथ सरकार बनाने के लिए अलग हो गए। इस कदम को बीजेपी की ओर से विश्वासघात के रूप में देखा गया।

2022 में कैसे हुआ तख्तापलट?

हालांकि 2022 में फडणवीस ने एक नाटकीय राजनीतिक तख्तापलट की योजना बनाने में केंद्रीय भूमिका निभाई। शिवसेना को विभाजित करने वाले एकनाथ शिंदे के समर्थन से एमवीए सरकार गिर गई और बीजेपी शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के साथ गठबंधन करके सत्ता में लौट आई। फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री का पद संभाला, जबकि शिंदे ने मुख्यमंत्री पद संभाला। हालांकि इस गठबंधन को 2024 के चुनावों में व्यापक जनादेश मिला। लेकिन तख्तापलट के बाद से मुख्यमंत्री रहे शिंदे, फडणवीस को शीर्ष पद सौंपने में हिचकिचाते दिखाई दिए।

मनसे-उद्धवसेना में नजदीकी

इसके अलावा उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के बीच संभावित गठबंधन की अटकलें तब से तेज हो गई हैं जब दोनों नेता 5 जुलाई को एक साथ दिखाई दिए। जो कि 20 सालों में उनकी पहली संयुक्त उपस्थिति थी। यह एकता का प्रदर्शन तब हुआ जब उन्होंने राज्य सरकार की ओर से स्कूलों में हिंदी भाषा के अनिवार्य प्रावधान को वापस लेने का जश्न मनाया।

नालासोपारा में पत्नी और प्रेमी द्वारा पति की हत्या

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

विजय चौहान-गुड़िया चौहान, मोनू विश्वकर्मा

महाराष्ट्र के पालघर जिले के नालासोपारा (पूर्व) क्षेत्र के गंगड़ीपाड़ा इलाके में स्थित साई वेल्फेयर सोसायटी के एक चॉल की है। हत्या के बाद, महिला ने अपने देवर से ही उस जगह पर टाइल्स लगवाकर शव को छिपा दिया। मृतक शख्स का नाम विजय चौहान है। हत्या की आरोपी महिला का नाम गुड़िया चौहान और उसके प्रेमी का नाम मोनू विश्वकर्मा बताया गया है। इस दंपती का एक 8 साल का बेटा भी है। यह घटना करीब 15 दिन पहले घटी थी। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना के बाद जब परिवार वालों ने विजय चौहान के बारे में पूछा तो गुड़िया उर्फ कोमल चौहान ने उन्हें लगातार गुमराह किया। सोमवार की सुबह विजय चौहान का भाई उसकी तलाश में घर पहुंचा। उसने देखा कि घर में लगी कुछ टाइलें दूसरी टाइलों से मैच नहीं कर रही हैं। विजय चौहान के भाई को शक हुआ तो उसने उन टाइलों को हटाया, जो बाकी टाइलों से मैच नहीं कर रही थीं। उसने देखा कि नीचे एक बनियान दबी हुई थी और भयंकर बदबू आ रही थी। उसने तुरंत पुलिस को फोन किया। इसके बाद विजय चौहान के भाई का शक सच साबित हुआ और शव टाइल के नीचे दबा हुआ मिला। इसके बाद उन्होंने जमीन की खुदाई की तो विजय चौहान का शव बरामद किया। गुड़िया चौहान और उसका प्रेमी मोनू विश्वकर्मा फरार हैं। पेल्हार पुलिस ने दोनों की तलाश के लिए टीमें गठित की हैं और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार करने की उम्मीद है।

मशीन नहीं चलाना जानने के बावजूद काम करवाया

ग्रेटर नोएडा में मजदूर की 4 उंगलियां कटीं, कंपनी मालिक समेत 4 पर केस

जेवर, ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक-1 में एक कंपनी में हुए हादसे का मामला सामने आया है। यहां एक मजदूर की चार उंगलियां कटने के बाद कंपनी मालिक समेत चार लोगों पर केस दर्ज किया गया है। बुलंदशहर के खुर्जा निवासी शिवा 4 अप्रैल को कंपनी में काम कर रहा था। कंपनी के सीनियर अधिकारियों ने उसे एक ऐसी मशीन चलाने को कहा, जिसे वह चलाना नहीं जानता था। मना करने के बावजूद उसे मशीन चलानी पड़ी। इस दौरान उसका हाथ मशीन में फंस गया। कंपनी प्रबंधन ने शिवा का इलाज सही अस्पताल में नहीं कराया। इससे उसके हाथ में इंफेक्शन हो गया।

मध्य रेल

पेड की शाखाओं की ट्रिमिंग/ कटिंग तथा अन्य कार्य

कार्य का विवरण: मुंबई मंडल के कल्याण जिले के दिवा-कल्याण, कल्याण-इगतपुरी (घाट खंड सहित) और लोनावला जिले के कल्याण-लोनावला (घाट खंड सहित) कर्जत-खोपोली और कर्जत पनवेल में ओएचई मास्ट/डीएमए गाय रॉड के आस-पास के क्षेत्र की सफाई, घास/झाड़ियों/वनस्पति को हटाना और चल रहे ट्रैक के ओएचई की सुरक्षा हेतु पेड़ की शाखाओं की ट्रिमिंग/कटिंग। **अनुमानित लागत:** ₹6218957.40. **ईएमडी:** ₹124400/-. **निविदा प्रपत्र का शुल्क** : ₹ 0.00/-. **समापन अवधि:** 24 महिने। **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथी एवं अवधि दि. 07/08/2025** को **11.00** बजे है। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी रेल की अधिकारीक वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा की जानकारी वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.वि.), मध्य रेल, कल्याण के ''**सूचना पट**'' पर उपलब्ध है।

खुली ई-निविदा सं.: केवायएन-एलडी-583-पीरिव्हे-25-26-02 दि.18/07/2025 Sai/281

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

स्वास्थ्य विभाग

के.बी. भाभा अस्पताल, आर. के. पाटकर मार्ग, बांद्रा (प.), मुंबई – 400 050

क्र. एचओ/5392/केबीबी, दि. 22.07.2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका आयुक्त (एमसीजीएम) द्वारा इस लाइन में कार्यरत पात्र एनजीओ से बोलियां/ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं. ई-निविदा विवरण निम्नानुसार हैं.

अ. क्र.	मापदंड	विवरण
1	ई-निविदा /बोली क्र.	2025_एमसीजीएम_1202879
2	विभाग	परिधीय अस्पताल
3	ई-निविदा का विषय	के.बी. भाभा अस्पताल, बांद्रा (प) में सम्बद्ध कार्यों के साथ कक्ष क्र. 302 की मरम्मत और रिफर्बिशमेंट का कार्य.
4	संपर्क विवरण	चिकित्सा अधीक्षक, दूरभाष क्र. 022 26422775, विस्ता. 4505 ईमेल : bhabha.bandra@yahoo.com
5	वेबसाइट	www.mahatender.gov.in

ई-निविदा महाटेंडर पोर्टल से डाउनलोड की जा सकती है अथवा हमें 022 26422775 विस्ता. 4506 पर संपर्क करें.

दिनांक : 22.07.2025

स्थान : मुंबई

पीआरओ/1084/विज्ञा./2025-26

हस्ता./-

उप चिकित्सा अधीक्षक

के.बी. भाभा अस्पताल, बांद्रा (प.)

आइये एकजुट होकर मुंबई को मलेरिया मुक्त करायें.

मनपा मुख्यालय पर कचरा डालने जा रहे पूर्व नगर सेवक पठान को पुलिस ने रोका

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , मुंब्रा कौसा में कचरे की समस्या अब विकराल रूप लेने लगी है। पिछले पाँच दिनों से कचरा न उठाए जाने से नाराज पूर्व नगर सेवक अशरफ शानू पठान ने कचरे से भरी पाँच गाड़ियाँ सीधे ठाणे मनपा मुख्यालय की ओर लेकर जाने के लिए निकले। मामले की गंभीरता को देखते ही पुलिस ने उन्हें मुंब्रा पुलिस स्टेशन के सामने उन्हें रोक कर हिरासत में ले लिया। मुंब्रा कौसा में स्वच्छता और कचरे की समस्या को लेकर नागरिकों की हमेशा शिकायत रहती है। यहां के नालों की सफाई और उससे निकले कचरा नहीं उठाए जाने एवं गंदगी से बीमारी फैलने की आशंका जताई जाती रहती है। बारिश के चलते कचरे की दुर्गंध से वर्षाजनित बीमारियां फैलने की आशंका अधिक होती है। आज इसी समस्या को लेकर पूर्व नगर सेवक अशरफ शानू ने कचरे की समस्या को लेकर आंदोलन शुरू कर दिए। शहर का कचरा नहीं उठाने से पिछले कुछ दिनों से मुंब्रा में कचरे की समस्या बनी हुई है। ठाणे मनपा द्वारा डंपिंग ग्राउंड की व्यवस्था के अभाव के कारण कचरा नहीं उठाया जा रहा है। शहर में कचरा इकट्ठा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को कई बार कहने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिससे नाराज पठान ने शहर में जमा कचरा की गाड़ी लेकर पुलिस स्टेशन की ओर निकले। उन्होंने कौसा, अमृत नगर, राशिद कंपाउंड आदि इलाकों से कचरा लेकर मनपा मुख्यालय के सामने फेंकने का फैसला किया। इस मुद्दे को लेकर प्रशासन हरकत में आ गया। मुंब्रा पुलिस ने कचरे से भरी गाड़ियों को रोककर पठान को अपनी हिरासत में ले लिया।

अंबरनाथ के मोरीवली में रेलवे ट्रैक क्रॉस करते समय हुआ हादसा, दो लोगों की ट्रेन से कटकर दर्दनाक मौत

महिला ने ईयरफोन लगाया हुआ था, उसको बचाने के चक्कर में युवक भी चपेट में आ गया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ में रविवार 20 जुलाई की शाम को मोरीवली गांव के पास कान में ईयरफोन लगाकर रेलवे ट्रैक पार करते समय महिला के ट्रेन की चपेट में आने और उसको बचाने के चक्कर में उसके साथ कंपनी में काम करने वाले युवक और महिला दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना से संपूर्ण परिसर में शोक की लहर दौड़ गई। बताते चले कि वैशाली सुनील धोत्रे नामक 45 वर्षीय महिला अंबरनाथ शहर के पश्चिम भाग में स्थित मोरीवली गांव की निवासी थी। वह आनंद नगर स्थित औद्योगिक परिसर एम.आई.डी.सी. में एक कंपनी में कार्य करती थी। रविवार देर शाम वैशाली धोत्रे अपनी ड्यूटी से लौटते समय पूर्व से पश्चिम स्थित मोरीवली अपने घर लौट रही थी। बताया जा रहा है कि वह रेल पटरियां पार करते समय अपने कानों में ईयर फोन लगाए हुए थी उसे ट्रेन की आवाज सुनाई नहीं दी। उसके पीछे आ रहे महालक्ष्मी नगर निवासी 29 वर्षीय आतिश रमेश आंबेकर नामक युवक ने उसे आवाज भी लगाई लेकिन कानों में ईयर फोन लगे होने के कारण उसे आवाज नही सुनाई दी। युवक ने महिला को बचाने के लिए प्रयास किया लेकिन दुर्भाग्यवश वह भी लोकल ट्रेन की चपेट में आ गया और दोनों की दर्दनाक मौत हो गई। युवक अपने परिवार में दो बहनों के साथ एकमात्र लड़का था उसके असामयिक निधन से परिवार पर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया। इस घटना के बाद इस इलाके में रेलवे पादचारी पुल की मांग फिर जोर पकड़ने लगी है।

फास्ट ट्रैक

जेवर विवाद में 5 माह की बच्ची की मौत

नानी के घर में मां की गोद में थी बच्ची, चाचा के हमले में गिरकर दबी

शाहजहांपुर, जेवरात को लेकर हुए विवाद में 5 माह की बच्ची की मौत हो गई। मृतका अनुराधा अपनी मां रोली के साथ एक महीने से नानी के घर पर रह रही थी। घटना पुवायां थाना क्षेत्र के बुझिया गांव की है। रोली लखीमपुर जिले के थाना मितौली क्षेत्र के लालपुर गांव की रहने वाली है। उसका पति कपिल हरिद्वार में प्राइवेट नौकरी करता है। नानी का आरोप है कि दो दिन पहले अनुराधा के मामा राहुल और चाचा के बीच जेवरात को लेकर विवाद हुआ।

राहुल ने कुछ जेवर बनवाकर अपनी दादी के पास रखे थे। जब उसने जेवर मांगे तो चाचा ने देने से मना कर दिया। इसी विवाद में चाचा ने अपने परिवार के साथ मिलकर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले के दौरान भगदड़ मच गई। रोली की गोद में बच्ची थी। चाचा के डंडा मारने से रोली गिर गई और बच्ची उसके नीचे दब गई।नानी रामलड़ैती के अनुसार, बच्ची को कहीं से खून नहीं निकला, लेकिन उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। रात में डॉक्टर के पास नहीं ले जा पाए। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही बच्ची की मौत हो गई। पुवायां थाना प्रभारी ने बताया कि मारपीट में राहुल को चोटें आई हैं। उनका मेडिकल कराया गया है। तहरीर मिलते ही एफआईआर दर्ज की जाएगी। बच्ची की मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा।

रहीमा फाउंडेशन और जमीयत उलमा की ओर से समाज सेवा के लिए शमीम खान सम्मानित

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , सामाजिक संस्था रहीमा फाउंडेशन और उलमा की तरफ से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरदचंद्र पवार के मुंब्रा कलवा विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष शमीम खान को उनकी सामाजिक और मानव और सामाजिक सेवाओं को देखते हुए सम्मानित किया गया किया गया। इस दौरान हाफि ज लुकमान खान, मौलाना अब्दुल वहाब कासमी, मौलाना अजहर सिद्दीकी , शोएब खान और अन्य विद्वान उपस्थित थे। सामाजिक , राजनीतिक कार्यों और लोगों की सेवा में सक्रिय रहने वाले शमीम खान को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित करने का फाउंडेशन ने निर्णय। जिसके लिए उन्हें संस्था के कार्यालय में आमंत्रित कर सम्मानित किया गया। इस संबंध में रहीमा फाउंडेशन के संरक्षक और जमीयत उलेमा की मुंब्रा शाखा के अध्यक्ष मौलाना अब्दुल वहाब कासमी ने बताया कि फाउंडेशन की और से मुफ्त चिकित्सा, शैक्षिक, सामाजिक सेवाओं जैसे राशन वितरण, भोजन वितरण आदि के अलावा फाउंडेशन की बॉम्बे कॉलोनी और यहाँ दारुल फलाह मस्जिद के पास एकॉर्ड कॉम्प्लेक्स में लोगों के दस्तावेजों को दुरुस्त करने का कार्य भी किया जाता है। ऐसे में आधार कार्ड बनवाने के लिए ज्यादा लोग आ रहे थे और हमें इस मशीन की सख्त जरूरत महसूस हुई जिसके लिए हमने शमीम अहमद खान से यह बात कही। उन्होंने तुरंत एक आधार कार्ड बनाने वाली मशीन फाउंडेशन में भेजवा दी। इस मौके पर शमीम खान ने कहा कि मैं इन बातों को उजागर नहीं करना चाहता था लेकिन इन विद्वानों और फाउंडेशन के लोगों ने जोर देकर कहा कि आप हमारे कार्यालय आएँ और जब मैं यहाँ पहुँचा तो देखा कि यहाँ मेरे लिए एक सत्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उलेमा और समाज के सच्चे सेवकों द्वारा मेरा सम्मान किया जाना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रहीमा फाउंडेशन चिकित्सा, शिक्षा के क्षेत्र और लोगों तक राशन और खाना पहुँचाने में जो मदद कर रही है, वह काबिले तारीफ है। यह काम एक-दो दिन या एक महीने से नहीं, बल्कि लॉकडाउन के पहले से लगातार कई सालों से चल रहा है। आज समाज को ऐसे कल्याणकारी कार्यों की सख़्त जरूरत है। इस दौरान उन्होंने फाउंडेशन के पूरे कार्यालय का दौरा किया, जहाँ हर काम के लिए अलग-अलग कमरे और कर्मचारी व्यवस्थित ढंग से नियुक्त किए गए थे। फाउंडेशन के मुख्य ज़िम्मेदार हाफि ज लुकमान ने बताया कि यहाँ रोजाना सौ से ज्यादा लोग आधार कार्ड बनवाने, कलेक्शन करवाने और दूसरे काम के लिए आते हैं।

अंबरनाथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने पार्टी प्रमुख उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का जन्मदिन 22 जुलाई को अंबरनाथ शहर इकाई के नेताओं और कार्यकताओं ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का यह 66 वाँ जन्मदिन था। उनका जन्म अहमदनगर के देवली प्रवरा गांव में 22 जुलाई 1959 को हुआ था। वे 6 बार महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री बन चुके हैं। अंबरनाथ पश्चिम स्थित छाया हॉस्पिटल और अनाथालय में पार्टी नेता डी.मोहन के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने केक काटकर और मरीजों और अनाथालय में रहने वाले लोगों को फल वितरित कर अपने नेता का जन्मदिन मनाया। वहीं बुआ पाड़ा के आर.के. स्कूल में विद्यार्थियों को किताबें, फल और केक वितरित कर अपने नेता अजीत पवार का जन्मदिन धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर प्रतीक प्रमोद हिंदूराव (ठाणे जिला युवा राकांपा अध्यक्ष), डी.मोहन (भावी अंबरनाथ शहर अध्यक्ष), किसन तारमडे (सचिव महाराष्ट्र प्रदेश), कमलाकर सूर्यवंशी, अप्पा मालूसरे, विनय मिश्रा, वामसु कृष्णा, प्रशांत गायकवाड, गणेश महात्रे, ज्योति वाघमारे, आम्रपाली लोखंडे, आदि उपस्थित रहे।

बाइक से छींटे उड़ने पर विवाद

शाहजहांपुर में युवक पर लाठी-डंडों से हमला, साथियों को मौके पर बुलाया

शाहजहांपुर, मिर्जापुर क्षेत्र में कीचड़ की छींटे उड़ने के विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। कुतलुपुर गांव के शीशराम पर कुछ लोगों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। घटना की जानकारी देते हुए शीशराम ने तहरीर में बताया कि कुछ लोग उनके घर के पास आकर गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने अपने अन्य साथियों को भी मौके पर बुला लिया। बचाव में आए शीशराम के बेटे के साथ भी मारपीट की गई। पुलिस ने शुरू की मामले की जांच पुलिस के अनुसार, विवाद की शुरूआत बाइक से निकलने के दौरान एक व्यक्ति पर कीचड़ की छींटे पड़ने से हुई। कपड़े खराब होने को लेकर पहले गाली-गलौज हुई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। घायल शीशराम का मेडिकल कराया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है।

पत्नी के बार-बार मायके जाने पर पति ने दी जान

मकान के बाहर लटकता मिला शव, भतीजा बोला- परेशान होकर शराब पीने लगे थे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, जलालाबाद क्षेत्र के गुनारा गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां 45 वर्षीय अच्छू नाम के व्यक्ति ने चांदनी के पेड़ पर लगे झूले से लटककर आत्महत्या कर ली। परिवार के लोगों को उनका शव मिला। मृतक के भतीजे लखन ने बताया कि उनके चाचा के गले में रस्सी का फंदा था। जब उन्हें नीचे उतारा गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। उनके छह बच्चे हैं। तीन बेटियां और तीन बेटे हैं। एक बेटा बाहर रहकर मजदूरी करता है। भतीजे के अनुसार, अच्छू की पत्नी से अक्सर विवाद होता था। वह कई बार घर छोड़कर चली जाती थी। ढाई महीने पहले ही वह घर लौटी थी। पारिवारिक कलह के कारण अच्छू पिछले ढाई साल से शराब का सेवन करने लगे थे। थाना प्रभारी राजीव तोमर ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा भर लिया है। परिजनों की ओर से कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

होटल व्यवसायी से रंगदारी मांगने के आरोप में आरटीआई कार्यकर्ता गिरफ्तार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , कल्याण क्षेत्र के एक होटल व्यवसायी से रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस की अपराध शाखा के हफ्ता निरोधक दस्ते ने सोमवार को जाल बिछाकर नितिन शांताराम घोले (49) को 50,000 रुपये लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। होटल व्यवसायी द्वारा होटल के बारे में शिकायत करने और पैसे मांगे जाने की बात कहने के बाद हफ्ता निरोधक दस्ते ने सोमवार रात करीब 12 बजे कल्याण पश्चिम स्थित संतोष होटल में जाल बिछाया। इसी दौरान, आरटीआई कार्यकर्ता नितिन शांताराम घोले, उम्र 49, निवास 103, शंखेश्वर प्रेसीडेंसी बिल्डिंग नंबर-2, टावरीपाड़ा, आरडीओ के पीछे, कल्याण को ठाणे अपराध शाखा के हफ्ता निरोधक दस्ते ने एक होटल व्यवसायी से 50,000 रुपये लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। कल्याण के महात्मा फुले चौक पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जब घोले को अदालत में पेश किया गया, तो अदालत ने उसे 25 जुलाई, 2025 तक पुलिस हिरासत में रखने का आदेश दिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार नितिन घोले खुद एक आरटीआई कार्यकर्ता है और पुलिस व अन्य सरकारी अधिकारियों से डरता है। उसकी आदत है कि अगर उसकी माँगें पूरी नहीं होतीं, तो वह उनके खिलाफ झूठी शिकायतें दर्ज करा देता है। पुलिस को शक है कि घोले ने कल्याण के कई होटल व्यवसायियों से जबरन वसूली की है।

स्कूल विलय के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन

शाहजहांपुर में सहायक अध्यापक को बनाया बंधक, 47 बच्चों वाले स्कूल को दूसरे में मिलाने का विरोध

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुवायां ब्लॉक स्थित रायपुर गांव में स्कूल विलय का विरोध तेज हो गया है। मंगलवार सुबह ग्रामीणों ने प्राथमिक विद्यालय के सहायक अध्यापक विचित्र मणि अग्निहोत्री को स्कूल में बंधक बना लिया। घटना उस समय हुई जब सहायक अध्यापक विद्यालय पहुंचे। पहले से मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें बाहर जाने से रोक दिया। विवाद का कारण रायपुर के प्राथमिक विद्यालय का इमलिया गांव के प्राथमिक स्कूल में प्रस्तावित विलय है। सहायक अध्यापक के अनुसार स्कूल में वर्तमान में 47 बच्चों का नामांकन है। कई बच्चों के पास जन्म प्रमाणपत्र और आधार कार्ड नहीं हैं। इस कारण संपूर्ण आंकड़ा स्पष्ट नहीं हो पाया है। विभाग ने इसी आधार पर स्कूल को इमलिया विद्यालय में समायोजित करने का निर्णय लिया है। ग्रामीणों का कहना है कि यह फैसला जनविरोधी है। उनका तर्क है कि बच्चों को दूर स्थित विद्यालय भेजना असुविधाजनक और असुरक्षित होगा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

किसानों की बिजली-यूरिया की मांग

शाहजहांपुर में कांग्रेस का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन, सरकार पर प्रताड़ित करने का आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, कांग्रेस कार्यकताओं ने किसानों की समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष तकवीम हसन खां के नेतृत्व में कार्यकताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रदेश में खरीफ की फसल की बुवाई चल रही है। किसानों को सिंचाई के लिए बिजली, यूरिया और पानी की जरूरत है। लेकिन सरकार यह सुविधाएं उपलब्ध नहीं करा पा रही है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इन सुविधाओं की मांग करने वाले किसानों पर लाठियां चलाई जा रही हैं। उन्होंने सरकार पर किसानों का अपमान और उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल से मांग की है कि वह सरकार को किसानों को भरपूर यूरिया, पानी और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दें। इससे किसान अच्छी फसल उगा सकेंगे।

दो लोगों ने खाया जहर

दोनों की जान बची, जमीन विवाद में महिला पर परेशान करने का आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, दो अलग-अलग घटनाओं में दो व्यक्तियों ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। दोनों को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। तिलहर के थाना मौजमपुर निवासी संतोष कुमार ईट भट्टे पर मुनीम के पद पर कार्यरत हैं।

उन्होंने घर आकर जहरीला पदार्थ खा लिया। संतोष ने बताया कि उन्होंने एक महिला से जमीन खरीदी थी। बैनामा के बाद पूरा भुगतान भी कर दिया था। अब वह महिला अतिरिक्त पैसों की मांग कर रही है। मना करने पर धमकियां दी जा रही थीं। दूसरी घटना तिलहर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर नवदिया की है। राजमिस्त्री पवन कुमार सोमवार रात काम से लौटने के बाद खेत गए। वहां उन्होंने कीटनाशक पी लिया। घर पहुंचने पर उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। चिकित्सकों के अनुसार दोनों मरीजों की स्थिति अब खतरे से बाहर है। पवन के परिवार ने कीटनाशक पीने का कारण नहीं बताया है। थाना प्रभारी के अनुसार दोनों घटनाओं की कोई औपचारिक सूचना थाने में दर्ज नहीं कराई गई है।

सपा उपाध्यक्ष पर एफआईआर

जिलाध्यक्ष बोले- सत्ता पक्ष के दबाव में दर्ज मुकदमा, एसपी से केस वापस करने की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष जिवेन्द्र बाजपेई और उनके परिवार पर दो मुकदमे दर्ज किए गए हैं। इस मामले में सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खां ने खिरनीबाग रामलीला मैदान में विरोध प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष का कहना है कि जलालाबाद थाना पुलिस ने सत्ता पक्ष के दबाव में फर्जी मुकदमे दर्ज किए हैं। उन्होंने बताया कि वास्तव में सत्ता संरक्षित लोगों ने बाजपेई और उनके परिवार पर हमला किया था। इस संबंध में थाना प्रभारी को शिकायत दी गई थी। लेकिन अभी तक हमलावरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। सपा नेताओं ने एसपी राजेश द्विवेदी से मुलाकात कर फर्जी मुकदमों की जांच और वापसी की मांग की। साथ ही हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी रखी। एसपी ने मामले में न्याय दिलाने का आश्वासन दिया है। जिलाध्यक्ष ने चेतावनी दी है कि न्याय नहीं मिलने पर आंदोलन किया जाएगा।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

बलूचिस्तान में ऑनर किलिंग के 13 आरोपी गिरफ्तार

कबीले की मर्जी के खिलाफ पुरुष से रिश्ता था, महिला को सुनसान जगह ले जाकर गोली मारी

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक महिला और पुरुष की बेरहमी से हत्या किए जाने का वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। यह वारदात मई में बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के पास एक सुनसान इलाके में हुई थी। अब जब यह वीडियो सामने आया है, तो पूरे देश में आक्रोश फैल गया है। पुलिस ने इस मामले में अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक ट्राइबल (कबीलाई) नेता भी शामिल है। यह हत्या 'ऑनर किलिंग' यानी इज्जत के नाम पर की गई। स्थानीय जिरगा (कबीलाई पंचायत) ने फैसला सुनाया था कि महिला ने अपने परिवार और कबीले की मर्जी के खिलाफ एक पुरुष से संबंध रखकर परंपराओं का उल्लंघन किया है। इसी आधार पर उसे मौत की सजा दी गई। वायरल वीडियो में दिखता है कि एक एसयूवी और एक पिकअप ट्रक में सवार हथियारबंद लोग एक सुनसान इलाके में पहुंचते हैं। वहां वे महिला और पुरुष को गाड़ी से बाहर

निकालते हैं। महिला को कुरान की एक प्रति दी जाती है। फिर वह स्थानीय ब्राहवी भाषा में एक व्यक्ति से कहती है: आओ, मेरे साथ सात कदम चलो, फिर तुम मुझे गोली मार सकते हो। कुछ कदम चलने के बाद वह कहती है, तुम्हें बस मुझे गोली मारने की अनुमति है, इससे ज्यादा कुछ नहीं। इसके बाद उस व्यक्ति ने पास से पिस्तौल तानकर महिला को गोलियां मार दीं। तीसरी गोली लगने के बाद महिला जमीन पर गिर जाती है। इसके तुरंत बाद उसी जगह पुरुष को भी गोली मार दी जाती है। वीडियो में यह भी साफ दिखता है कि कुछ लोग दोनों शवों पर भी लगातार गोलियां चला रहे हैं। पुलिस का कहना है कि यह हत्याकांड एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा था और इसे 'परंपरा' के नाम पर अंजाम दिया गया। अब तक की जांच में मृतकों की पहचान बानो बीबी और अहसान उल्लाह के रूप में हुई है। पुलिस और सरकार दोनों ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने सोमवार को इस घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि झूठी शान की खातिर हत्या करने के इस मामले में 13 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने कहा कि मामले की जांच जारी है। अल-जजीरा के मुताबिक, मृत दंपति का नाम बानो बीबी और एहसान उल्लाह था। बलूचिस्तान के पुलिस अधिकारी सैयद सुबूर आगा ने अल जजीरा को बताया कि एफआईआर में आठ संदिग्धों के नाम हैं और 15 अज्ञात लोग शामिल है।

वे मामले की जांच कर रहे हैं। मामले में और अधिक गिरफ्तारियां हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बानो का भाई भी इस हत्या में शामिल है, वो फिलहाल फरार है। रिपोर्ट के मुताबिक बानो और एहसान को स्थानीय कबायली नेता सरदार शेरबाज खान के सामने पेश किया गया था। शेरबाज ने उनके रिश्ते को गलत ठहराया और उनकी हत्या का आदेश दिया। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए संदिग्धों को जानवर कहा। वहीं, बलूच कार्यकर्ता सम्मी दीन बलूच ने गोलीबारी को ऑनर किलिंग बताते हुए इसकी निंदा की और बलूच लोगों से महिलाओं के फैसलों का सम्मान करने की अपील की।

पाकिस्तानी फौज की करतूत, लापता हजारों बलोच

इस्लामाबाद में सड़कों पर शुरू हुआ भीषण विरोध

एजेंसी

राजधानी में जबरदस्त विरोध की लहर दौड़ गई है। लगातार छठे दिन बलूच महिलाएं इस्लामाबाद की सड़कों पर अपना धरना जारी रखे हुए हैं। प्रतिकूल मौसम, पुलिस उत्पीड़न और आवाजाही पर प्रतिबंध के बावजूद, इन महिलाओं ने अपनी मॉगें पूरी होने तक हिलने से इनकार कर दिया है। बलूचिस्तान से लगभग 900 किलोमीटर की यात्रा करके, ये महिलाएँ अपने साथ दर्द और प्रतिरोध की कहानियाँ लेकर आई हैं। बेटों की तलाश में भटकती माताओं से लेकर अपने पिता का चेहरा न देख पाने वाली

बेटियों तक, इस विरोध प्रदर्शन ने प्रांत में जबरन गायब होने के मौजूदा संकट को उजागर कर दिया है। मीडिया से बात करते हुए एक बलूच महिला ने कहा कि मैं महमूद अली की मां हूं... मेरे बेटे को पाकिस्तानी एजेंसियों और सीटीडी ने 18 जून 2024 को लापता कर दिया था... एक साल बीत चुका है, लेकिन हमें नहीं पता कि वह कहां है या किस हालत में है। एक अन्य प्रदर्शनकारी, 10 साल की बच्ची ने बताया, मैं लापता जांजी बलूच की बेटी हूँ। मेरे पिता पिछले 10 सालों से लापता हैं। सीटीडी, सादी वर्दी में पुलिस, एफसी सुबह 3 बजे हमारे घर आए। मैं तब 3 महीने की थी। मैंने अपने पिता का चेहरा भी नहीं देखा है।प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि शांतिपूर्ण प्रतिरोध के बावजूद, इस्लामाबाद पुलिस, खासकर महिला अधिकारियों द्वारा, उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। प्रशासन ने उन्हें शिविर लगाने की अनुमति नहीं दी है, पहुँच मार्ग बंद कर दिए हैं, और लाठीचार्ज का भी प्रयास किया है, जिससे प्रदर्शन स्थल एक ₹खुली जेल₹ में बदल गया है। इस विरोध प्रदर्शन ने प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की तीखी आलोचना की है, दोनों ही इस मुद्दे पर चुप रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों ने मुनीर पर इन गुमशुदगियों के लिए सीधे तौर पर ज़िम्मेदार होने का आरोप लगाते हुए कहा, ₹वह बलूचिस्तान में किसी भी घर से रातोंरात किसी के भी पिता, भाई या बेटे का अपहरण कर लेते हैं।

मस्क को गोल्डन डोम प्रोजेक्ट से हटा सकते हैं ट्रम्प

स्पेसएक्स का विकल्प ढूंढ रही अमेरिकी सरकार; अमेजन को मिल सकता है मौका

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, अरबपति अरबपति इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स को गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम प्रोजेक्ट से बाहर रख सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक 175 अरब डॉलर के इस अहम प्रोजेक्ट के लिए ट्रम्प प्रशासन ने नए विकल्पों को तलाशना शुरू कर दिया है। स्पेसएक्स की जगह इस बार जेफ बेजोस की कंपनी अमेजन के प्रोजेक्ट कुइपर को ही मौका मिल सकता है। इसके अलावा कई दूसरी बड़ी डिफेंस कंपनियां भी रेस में हैं। ट्रम्प और मस्क के बीच पिछले दो महीनों से जारी विवाद को इस बदलाव के पीछे की वजह माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक स्पेसएक्स ने भी इस परियोजना में रुचि नहीं दिखाई है। अमेरिका ने इजराइल के आयरन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तर्ज पर अपना डिफेंस सिस्टम गोल्डन डोम बनाने का फैसला किया है। ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरूआत के एक हफ्ते बाद ही गोल्डन डोम प्रोजेक्ट का ऐलान किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गोल्डन मिसाइल डिफेंस सिस्टम के लिए 1200 से ज्यादा सैटेलाइट्स लॉन्च करने की योजना बनाई गई है। इसकी मदद से अमेरिका दुश्मन मिसाइलों का अंतरिक्ष में ही पता

लगाकर उन्हें नष्ट करने की तैयारी कर रहा है। यह डिफेंस सिस्टम दुनिया के किसी भी हिस्से से लॉन्च होने वाली मिसाइलों को रोकने में सक्षम होगा। ट्रम्प ने दावा किया है कि गोल्डन डोम अंतरिक्ष से हुए हमलों को भी रोकने के काबिल होगा। गोल्डन डोम प्रोजेक्ट पर करीब 175 बिलियन डॉलर, यानी 14.52 लाख करोड़ रुपए का खर्च आएगा। ट्रम्प ने शुरूआत में 25 बिलियन डॉलर (लगभग 2.05 लाख करोड़ रुपये) खर्च करने की मंजूरी दे दी है। 17 जुलाई को सीनेट से मंजूरी मिलने के बाद स्पेस फोर्स के जनरल माइकल गुएटलीन को इस प्रोजेक्ट की कमान सौंप दी गई है। वे ट्रम्प के सबसे भरोसेमंद सैन्य अधिकारियों में से एक माने जाते हैं। उन्हें 30 दिन में टीम बनानी है, 60 दिन में डिजाइन और 120 दिन में पूरी योजना तैयार करनी है। स्पेसएक्स ने अब तक 9 हजार से ज्यादा स्टारलिंक सैटेलाइट लॉन्च किए हैं। कंपनी के पास सरकारी खरीद प्रक्रिया में लंबा अनुभव है। इस वजह से कंपनी अब भी गोल्डन के कुछ प्रमुख हिस्सों, खासकर लॉन्च कॉन्ट्रैक्ट्स के लिए सबसे आगे है। अमेजन के प्रोजेक्ट कुईपर ने अभी केवल 78 सैटेलाइट लॉन्च किए हैं। लेकिन पेंटागन ने कंपनी को प्रोजेक्ट में शामिल होने का न्योता दिया है। यह संकेत है

कि अब सरकार पारंपरिक रक्षा कंपनियों के साथ-साथ टेक फर्म्स को भी इस डिफेंस सिस्टम में जोड़ना चाहती है। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस ने जनवरी में कहा था कि कुइपर भले ही एक कमर्शियल प्रोजेक्ट है, लेकिन इसकी सैन्य उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता।

बांग्लादेश प्लेन क्रैश- पायलट की आखिरी कोशिश

विमान को आबादी से दूर ले जाना चाहता था, लेकिन नाकाम रहा; मौत का आंकड़ा 31 हुआ

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश में वायुसेना के प्लेन क्रैश में मौत का आंकड़ा 31 हो गया है। इनमें 28 छात्र, 2 स्कूल स्टाफ और पायलट शामिल हैं। 165 घायल हैं। इनमें से 78 की हालत गंभीर है। 20 शव परिवारों को सौंप दिए गए हैं। क्रैश हुआ फाइटर जेट चीन में बना एफ-7बीजीआई था। हादसा सोमवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ। उस समय स्कूल में क्लासेस चल रही थीं और सैकड़ों छात्र वहां मौजूद थे। बांग्लादेशी सेना ने कहा- दुर्घटना

तकनीकी खराबी के कारण हुई। पायलट ने विमान को आबादी से दूर ले जाने की कोशिश की, लेकिन यह माइलस्टोन स्कूल कैम्पस से टकरा गया। घटना के कारण सरकार ने एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। वायुसेना ने हाई लेवल जांच शुरू कर दी है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने पुष्टि की है कि विमान के पायलट फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहम्मद तौकीर इस्लाम की हादसे में मौत हो गई है। हादसे के बाद कई लोग अस्पताल के बाहर ब्लड डोनेट करने के लिए पहुंचे हैं। हादसे के वक्त पास की इमारत में मौजूद छात्रों ने बताया कि प्लेन उनकी बिल्डिंग से टकराया और अगली बिल्डिंग के गेट के पास गिर गया। इससे तुरंत ही वहां आग लग गई। माइलस्टोन स्कूल की आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले दो चचेरे भाई हादसे के वक्त स्कूल के पास मौजूद थे।

दोनों के माता-पिता फोन पर बात करते हुए बार-बार रो पड़ रहे थे। दूसरी तरफ फायर सर्विस ने बताया है कि यह घटना दोपहर 1:18 बजे हुई और उनके यूनिट 1:22 बजे मौके पर पहुंचे। राहत और बचाव कार्य में उत्तरा, टोंगी, पल्लबी, कूर्मिटोला, मीरपुर और पूर्वाचल के आठ फायर स्टेशन की 8 टीमें लगीं।

पार्टी में उनका क्या पद है, वे कौन हैं?

शशि थरूर ने अपने कांग्रेस सहयोगी मुरलीधरन पर किया पलटवार

एजेंसी

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को अपने पार्टी सहयोगी के. मुरलीधरन पर उनके 'थरूर को पार्टी कार्यक्रमों में आमंत्रित नहीं किया जाता' वाले बयान को लेकर पलटवार किया और उनके दावे के आधार पर सवाल उठाए। थरूर ने पार्टी में मुरलीधरन की स्थिति पर भी सवाल उठाया कि उन्होंने उनके खिलाफ ऐसी टिप्पणी क्यों की और इसके लिए एक वैध आधार की मांग की। मुरलीधरन की टिप्पणी पर एक सवाल का जवाब देते हुए थरूर ने पूछा, पहले मुझे बताइए, इस दावे का आधार क्या है? उन्होंने पूछा कि जो लोग ऐसी बातें कह रहे हैं, पार्टी में उनका क्या पद है? वे कौन हैं?

कांग्रेस सांसद ने कहा कि ऐसा कहने वालों के पास भी अपने बयान का आधार होना चाहिए। जब तक कोई ठोस आधार न हो, जवाब देने की कोई जरूरत नहीं है। शशि थरूर ने संवाददाताओं से कहा कि मुझसे दूसरों के व्यवहार के बारे में बताने के लिए मत कहिए। आप उनसे उनके व्यवहार के बारे में बात कीजिए। मैं सिर्फ.अपने व्यवहार के बारे में ही बात कर सकता हूँ। रविवार को, वरिष्ठ कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि जब तक थरूर राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर अपना रुख

कांग्रेस सांसद ने कहा कि ऐसा कहने वालों के पास भी अपने बयान का आधार होना चाहिए। जब तक कोई ठोस आधार न हो, जवाब देने की कोई जरूरत नहीं है। शशि थरूर ने संवाददाताओं से कहा कि मुझसे दूसरों के व्यवहार के बारे में बताने के लिए मत कहिए। आप उनसे उनके व्यवहार के बारे में बात कीजिए।

नहीं बदलते, उन्हें राज्य की राजधानी में किसी भी पार्टी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया जाएगा।मुरलीधरन ने कहा कि कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) के सदस्य थरूर को अब ₹हम में से एक₹ नहीं माना जाता। उन्होंने कहा कि पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व तय करेगा कि कांग्रेस सांसद के खिलाफ क्या कार्रवाई की जानी चाहिए। मुरलीधरन ने कहा, ₹जब तक वह (थरूर) अपना रुख नहीं बदलते, हम उन्हें तिरुवनंतपुरम में आयोजित किसी भी पार्टी कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं करेंगे। वह हमारे साथ नहीं हैं, इसलिए उनके किसी कार्यक्रम का बहिष्कार करने का सवाल ही नहीं उठता।₹ वह पत्रकारों द्वारा पूछे गए उस सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर थरूर के अपने रुख पर अड़े रहने के बारे में उनकी राय मांगी गई थी।

दुकानों पर लगाना ही होगा क्यूआर कोड

कांवड़ रूट पर यूपी सरकार के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने भी लगा दी अपनी मुहर

अदालत का यह फैसला उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित खाद्य स्टॉल मालिकों को अपनी दुकानों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करने, अपनी पहचान और अन्य जानकारियां बताने का निर्देश दिया गया था।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित सभी होटल मालिकों को वैधानिक लाइसेंसिंग और पंजीकरण आवश्यकताओं का पालन करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि इस स्तर पर, सभी संबंधित होटल मालिकों को वैधानिक रूप से आवश्यक लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र के आदेश का पालन करना होगा। हम स्पष्ट करते हैं कि हम बहस किए जा रहे मुद्दों पर विचार नहीं कर रहे हैं। आवेदन बंद किया जाता है। क्यूआर कोड अनिवार्यता के मुद्दे पर, सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वह फिलहाल इस पर विचार नहीं करेगा और कहा कि क्यूआर कोड और इसी तरह के अन्य मुद्दों पर मुख्य याचिका में विचार किया जा सकता है, जो अभी न्यायालय में लंबित है।अदालत का यह फैसला उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान आया, जिसमें कांवड़ यात्रा मार्ग पर स्थित खाद्य स्टॉल मालिकों को अपनी दुकानों पर क्यूआर कोड प्रदर्शित करने, अपनी पहचान और अन्य जानकारियां बताने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि वह होटल या ढाबा मालिक का नाम और क्यूआर कोड प्रदर्शित करने संबंधी अन्य मुद्दों पर विचार नहीं कर रही है क्योंकि मंगलवार कांवड़ यात्रा का आखिरी दिन है। पीठ ने कहा कि हमें बताया गया है कि आज यात्रा का आखिरी दिन है। वैसे भी, निकट भविष्य में इसके समाप्त होने की संभावना है। इसलिए, इस समय हम केवल यह आदेश पारित करेंगे कि सभी संबंधित होटल मालिक वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदर्शित करने के आदेश का पालन करें। शीर्ष अदालत शिक्षाविद अपूवार्नंद झा और अन्य द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पिछले साल, सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश सरकारों द्वारा जारी इसी तरह के निदेर्शों पर रोक लगा दी थी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरने के बाद एयर इंडिया के विमान में लगी आग, यात्री सुरक्षित

एयर इंडिया की हांगकांग से आई फ्लाइट के दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद विमान की सहायक विद्युत इकाई में आग लग गई.

एजेंसी

नई दिल्लीः एयर इंडिया के विमान की सहायक विद्युत इकाई में मंगलवार दोपहर दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने के बाद आग लग गई. यह घटना तब हुई, जब यात्री विमान से उतर रहे हैं. हालांकि, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं. एयर इंडिया की यह फ्लाइट हांगकांग से आई थी. एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया, 22 जुलाई 2025 को हांगकांग से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट एआई 315 में लैंडिंग और गेट पर पार्किंग के तुरंत बाद एक सहायक विद्युत इकाई (एपीयू) में आग लग गई. यह घटना उस समय हुई जब विमान से यात्री उतरने लगे थे, और सिस्टम डिजाइन के अनुसार एपीयू स्वचालित रूप से बंद हो गया.प्रवक्ता ने कहा कि विमान को कुछ नुकसान हुआ है, जबकि यात्री और चालक दल के सदस्य सामान्य रूप से उतर गए और

सुरक्षित हैं. प्रवक्ता ने आगे कहा, विमान को आगे की जांच के लिए रोक दिया गया है और नियामक को विधिवत सूचित कर दिया गया है.

12 करोड़ रुपये, मुंबई में फ्लैट और बीएसडब्लू कार, महिला की गुजारे भत्ते की मांग

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आप काम क्यों नहीं करतीं?

पति का प्रतिनिधित्व कर रहे एक वकील ने पीठ के समक्ष दलील दी कि महिला को काम करना चाहिए और उसकी डिमांड पर आपत्ति जताई. पीठ ने व्यक्तिगत रूप से पेश हुई महिला से कहा कि वह अपने अलग हुए पति के पिता की संपत्ति पर दावा नहीं कर सकती. महिला ने पीठ के समक्ष दलील दी कि वह मुंबई में एक घर, 12 करोड़ रुपये का भरण-पोषण भत्ता और एक महंगी बीएमडब्ल्यू कार चाहती है.

एजेंसी

नई दिल्लीः भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने मंगलवार को एक टइअ ग्रेजुएट महिला को सुझाव दिया कि वह अपने पति से गुजारा भत्ते के रूप में 12 करोड़ रुपये, मुंबई में एक घर और एक इटह कार की फिजूलखर्ची की मांग करने के बजाय एक अच्छी नौकरी ढूंढे. महिला शादी के 18 महीने बाद अपने पति से अलग हो गई थी.

गुजारा भत्ता मामले की सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा कि महिला सुशिक्षित है और गुजारा भत्ते के लिए पति के पैसों पर निर्भर रहने के बजाय

अपने लिए अच्छी कमाई करने की क्षमता रखती है. पीठ ने कहा, आप इतनी पढ़ी-लिखी हैं. आपको अपने के लिए भत्ता मांगना नहीं चाहिए बल्कि खुद को काम करके खाना चाहिए.

18 महीने चली शादी

पीठ ने महिला की शादी को मुश्किल से 18 महीने तक चलने की ओर इशारा किया और पति की ओर से उसकी अत्यधिक डिमांड पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, आपकी शादी सिर्फ 18 महीने ही चली और अब आप इटह भी चाहती हैं? और हर महीने एक करोड़? पति के वकील ने पीठ को बताया कि नौकरी छोड़ने और टैक्स रिटर्न दाखिल करने के बाद उनकी आय में भारी गिरावट आई है.

'आप काम क्यों नहीं करतीं?'

पीठ ने महिला से कहा, आप एक आईटी एक्स्पर्ट हैं. आपने एमबीए किया है. बेंगलुरु और हैदराबाद में आपकी डिमांड है... आप काम क्यों नहीं करतीं? महिला ने पीठ के सामने दलील दी कि उसका पति बहुत अमीर है और वह यह दावा करते हुए विवाह को अमान्य घोषित करने की मांग कर रहा है कि वह सिजोफ्रेनिया से पीड़ित है. महिला ने पूछा, क्या मैं सिजोफ्रेनिया से पीड़ित दिखती हू, माय लॉर्ड? महिला ने बताया कि उसका पति एक मल्टीनेशनल बैंक में काम करता है

संक्षेप

जमीन विवाद पर नया मोड़

सपा नगर अध्यक्ष ने कहा-गुरुद्वारे की नहीं, पुश्तैनी जमीन है; एसडीएम को सौंपे दस्तावेज

सुलतानपुर, जमीन विवाद में नया मोड़ आया है। सपा नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र राजू चौधरी ने एसडीएम को पत्र सौंपकर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि विवादित जमीन गुरुद्वारे की नहीं, बल्कि उनकी पुश्तैनी संपत्ति है।मामले में मंजू सागर ने परिवार के सदस्यों से दो बिस्वा जमीन खरीदी है। सुभाष चौधरी से एक बिस्वा जमीन एक लाख रुपए में और रामसागर व प्रेमसागर से एक बिस्वा जमीन डेढ़ लाख रुपए में ली गई। यह जमीन व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स के लिए लंभुआ सुल्तानपुर और अमृतसर पंजाब के बिल्डरों को दी गई है। धर्मेंद्र कुमार और संतोष कुमार चौधरी का आरोप है कि मंजू सागर और उनके बेटे देवश सागर कसौधन जानकारी छिपाकर जनप्रतिनिधियों को भ्रमित कर रहे हैं। साथ ही धार्मिक एंगल का डर दिखाकर परिवार के अन्य सदस्यों पर जमीन बेचने का दबाव बना रहे हैं। सपा नगर अध्यक्ष ने बताया कि पिछले दस दिनों से उन पर गुरुद्वारा अखाड़ा संगत की जमीन पर कब्जे का आरोप लग रहा है। विवादित जमीन के कुछ हिस्से में उदासीन अखाड़ा स्थित है। आसपास की कुछ जमीन पर अन्य लोगों का कब्जा है। उपजिलाधिकारी से नोटिस मिलने के बाद उन्होंने जिलाधिकारी कार्यालय में सभी दस्तावेज जमा कर दिए हैं। उनका आरोप है कि भाजपा की एक नेता सत्ता का दुरुपयोग कर इस मामले को बढ़ा रही है। कुछ लोगों ने भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी और विधायक विनोद सिंह को भी गुमराह किया है। चौधरी ने स्पष्ट किया कि यह व्यक्तिगत मामला है। इसका किसी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि यह जमीन कई पीढ़ियों से उनके परिवार की है।

यूपी में स्कूल मर्जर का विरोध

सपा महिला सभा ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन, रसोइयों की बहाली की मांग

सुलतानपुर, उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों के विलय के विरोध में समाजवादी पार्टी की महिला सभा ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा है। सुलतानपुर की जिला अध्यक्ष शारदा यादव के नेतृत्व में मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर महिला सभा ने प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर को तत्काल रोकने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश सरकार हजारों प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों का जबरन विलय कर रही है। साथ ही स्कूली रसोइयों को भी रोजगार से वंचित किया जा रहा है। महिला सभा ने मांग की है कि सभी रसोइयों को पुनः बहाल किया जाए। उन्हें सम्मानजनक मानदेय और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा जाए। शिक्षा के अधिकार कानून के अनुसार, महिला सभा ने हर बस्ती में 1 किलोमीटर की परिधि में प्राथमिक विद्यालय और 3 किलोमीटर के दायरे में उच्च प्राथमिक विद्यालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

चंद्रशेखर बवाल के आरोपियों के परिवार से पुलिस की झड़प

प्रयागराज कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन-नारेबाजी, पुलिस से भिड़े, बोले - हमारे बच्चों को गलत फंसाया

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज , कलेक्ट्रेट में चंद्रशेखर बवाल के आरोपियों के परिवार और पुलिस के बीच झड़प हो गई। 30 लोग मंगलवार दोपहर कलेक्ट्रेट में एडीएम को ज्ञापन सौंपने पहुंचे थे। उनके साथ में आइसा के प्रदेश अध्यक्ष समेत 10-12 वकील भी शामिल हो गए। इसके बाद उन लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी और प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिसको पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। जिससे दोनों पक्षों में जमकर धक्कामुक्की हुई। इस बीच पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच माहौल तनावपूर्ण बना रहा। बाद में पुलिस ने किसी तरह से लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। बाद में एडीएम सिटी सत्यम मिश्रा को उन लोगों ने ज्ञापन सौंपा। 29 जून को सांसद चंद्रशेखर के प्रतापगढ़ पहुंचने पर करछना तहसील के भदेवरा बाजार में जमकर हिंसा हुई थी। 30 से अधिक वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया था। कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई थी। बवाल शांत होने के बाद पुलिस ने यहां के लगभग 75 लोगों को पकड़कर जेल भेज दिया था। इन्हीं जेल भेजे गए युवकों के परिजन प्रयागराज कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। उनका कहना था कि हमारे बच्चो को गलत तरीके से फंसाया गया है। आरोप लगाया कि उसके बाद पुलिस और उच्च जाति के कुछ असामाजिक तत्वों ने मिलकर दलित बहुल गांवों में बर्बर कार्रवाई की। कई घरों में तोड़फोड़ की गई, महिलाओं और बुजुर्गों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। मासूम बच्चों तक को झूठे आरोपों में जेल भेजा गया। पीड़ितों का कहना है कि हिंसा में उनकी कोई भूमिका नहीं थी, फिर भी उन्हें चुन-चुनकर प्रताड़ित किया गया। ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष कुमार ने कहा, यह न सिर्फ एक जातीय हमला था, बल्कि संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है।

नर्सिंग छात्रा की संदिग्ध मौत

फोन बंद होने पर पिता पहुंचे थे कॉलेज, दो दिन से थी लापता, कमरे में मिला शव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, जाह्नवी अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर अकेले रह रही नर्सिंग स्टूडेंट नूपुर सरकार का शव उसके कमरे में संदिग्ध हालत में मिला। नूपुर आरके इंस्टीट्यूट में नर्सिंग फाइनल ईयर की स्टूडेंट थी और इन दिनों उसकी परीक्षा चल रही थी। नूपुर बीते दो दिनों से कॉलेज नहीं जा रही थी। कॉलेज से कई बार फोन किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। उधर, पिता दीपक सरकार भी लगातार बेटी को कॉल कर रहे थे, लेकिन उसका फोन बंद आ रहा था। पिता को कॉलेज से मिली जानकारी सोमवार दोपहर करीब दो बजे नूपुर के पिता कॉलेज पहुंचे तो उन्हें पता चला कि बेटी 2 दिन से परीक्षा देने नहीं आई है। इसके बाद वे तुरंत नैनी के जाह्नवी अपार्टमेंट पहुंचे, जहां बेटी चार महीने से किराए पर रह रही थी। स्कूटी नीचे खड़ी थी, कमरे से आ रही थी दुर्गंध अपार्टमेंट में नीचे नूपुर की स्कूटी खड़ी थी। आस-पड़ोस के लोगों ने बताया कि नूपुर रोज सुबह कॉलेज जाती थी, लेकिन दो दिनों से उसे नहीं देखा गया। कमरे से बदबू आने लगी थी, जिससे आसपास के लोग भी हैरान थे। पुलिस ने तोड़ा दरवाजा, कमरे में मिला शव पिता ने पुलिस को सूचना दी। नैनी पुलिस मौके पर पहुंची और जब कमरा तोड़ा गया, तो नूपुर का शव फर्श पर पड़ा मिला। गले में रस्सी का फंदा था। पुलिस ने तुरंत फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच शुरू कर दी और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।कोलकाता की रहने वाली थी स्टूडेंट मूल रूप से कोलकाता की रहने वाली नूपुर के पिता दीपक सरकार पेशे से बंगाली डॉक्टर हैं और फिलहाल मेजा ऊंच डीह बाजार में अपने परिवार के साथ रहते हैं। नूपुर उनके तीन बच्चों में सबसे बड़ी थी। वह रुक्मिणा के नाम से जाह्नवी अपार्टमेंट में सुनील सिंह से किराए पर कमरा लेकर रह रही थी। पुलिस जांच में जुटी पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। आत्महत्या की आशंका जताई जा रही है, लेकिन फिलहाल कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

सड़क हादसे में युवक की मौतं

यमुना एक्सप्रेसवे पर हुआ हादसा, कैटरिंग के काम लिए जा रहा था मृतक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, दिल्ली के समयपुर बादली में कैटरिंग का काम करने वाले अमेठी के रास्तमऊ गांव निवासी दुष्यंत सिंह (20) की यमुना एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में मौत हो गई। दुष्यंत शनिवार सुबह वृंदावन में आयोजित एक भंडारे में शामिल होने जा रहे थे। दुष्यंत अपने पिता के साथ दिल्ली में रहकर कैटरिंग का काम करते थे। यमुना एक्सप्रेसवे पर उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। परिजन दिल्ली पहुंच गए हैं। तिलोई ब्लॉक क्षेत्र के रास्तमऊ गांव के पुरे जबरबैश में दुष्यंत की मौत की खबर से शोक की लहर है। ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

हाइवे पर खड़े ट्रेलर में घुसा ऑटो

मां-बेटे की मौत, चालक समेत 4 घायल; 2 ट्रॉमा सेंटर रेफर, इलाज कराकर लौट रहे थे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर एक सड़क हादसा हुआ। लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के बगहा बाबा के पास हाईवे पर खड़े ट्रेलर में एक ऑटो जा घुसा। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए।

इसमें चालक समेत दो को लखनऊ रेफर किया गया है। मृतकों की पहचान लंभुआ कोतवाली के रामगढ़ निवासी कमला देवी (60) और उनके बेटे शम्भू नाथ (40) के रूप में हुई है। घायलों में ऑटो चालक शंकर निषाद, शिव कुमारी, पुनीता और कंचन वर्मा शामिल हैं। सभी लोग इलाज और दीवानी मुकदमे की तारीख लेकर घर लौट रहे थे। हादसे के समय हाईवे पर एक ट्रेलर बिना किसी चेतावनी के खड़ा था, जिस पर ट्रैक्टर लदा हुआ था। ऑटो सीधे उसी में जा घुसा। कमला और शम्भू नाथ की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। डॉक्टरों ने कमला और शम्भू नाथ को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल चालक शंकर को ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है। अन्य घायलों का इलाज जारी है। एसएचओ अखिलेश सिंह ने कहा कि मामले की जानकारी मिल गई है और शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

9 साल के मासूम की डूबने से मौत

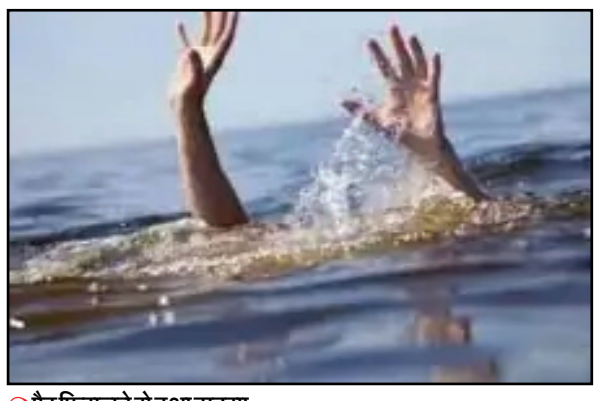

पैर फिसलने से हुआ हादसा, माइनर में डूबा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के जमुवारी गांव में एक दुखद घटना सामने आई। नन्हे लाल का 9 वर्षीय बेटा विवेक शौच के लिए गांव के पास स्थित औरंगाबाद माइनर पर गया था। नहर के किनारे पानी छूते समय विवेक का पैर फिसल गया। वह गहरे पानी में गिर गया और डूब गया। आसपास के ग्रामीणों को जैसे ही घटना की जानकारी मिली, वे मौके पर पहुंचे। काफी प्रयास के बाद बच्चे को नहर से बाहर निकाला गया। परिजन तुरंत बच्चे को अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने विवेक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना से गांव में शोक का माहौल है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

उधारी के पैसे मांगने पर धर्मकांटा मालिक पर हमला

अमेठी में कार और धर्मकांटे में तोड़फोड़, 5 लोगों के खिलाफ केस

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जामो थाना क्षेत्र में एक धर्मकांटा मालिक से उधार लिए पैसों को लेकर विवाद हो गया। जगदीशपुर निवासी अवसर अहमद उर्फ सोनू पिछले तीन वर्षों से लकड़ी का व्यवसाय कर रहे हैं। उन्होंने शिवगढ़ घाटमपुर के राम ज्ञानी को एक साल पहले 40 हजार रुपए उधार दिए थे। जब अवसर ने पैसे मांगे तो विवाद हुआ।

राम ज्ञानी अपनी बेटी पूनम, बहन फूलमाता, पत्नी और बेटे करन के साथ धर्मकांटे पर पहुंचा।

आरोपियों ने पहले अवसर की कार में तोड़फोड़ की। जब अवसर ने विरोध किया तो धर्मकांटे के रूम में घुसकर ईंट-पत्थर फेंके। लाठी-डंडे से की पिटाई इस दौरान कंप्यूटर, प्रिंटर समेत अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गया। आरोपियों ने लाठी-डंडों से अवसर की पिटाई भी की। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीन महिलाओं सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एएमयू में छात्रों का प्रदर्शन, गेट किया बंद

यूनिवर्सिटी में एमवॉक कोर्स बंद करने का किया विरोध, सुरक्षा कर्मियों से हुई नोंकझोंक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, मुस्लिम विश्वविद्यालय में एमवॉक कोर्स बंद करने के विरोध में छात्रों ने मंगलवार को जमकर प्रदर्शन किया। गुस्साए छात्रों ने यूनिवर्सिटी के खिलाफ नारेबाजी की और बाब-ए-सैयद गेट पर आकर उसे बंद कर दिया। छात्रों ने गेट पर बाइकें लगा दी। इस दौरान गेट खुलवाने को लेकर छात्रों की एएमयू सुरक्षा कर्मियों के साथ तीखी नोंकझोंक भी हुई। काफी देर हंगामा चलने के बाद एएमयू के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर छात्रों को समझाया और उन्हें आश्वासन दिया कि इस मामले में मैनेजमेंट की बैठक करके हल निकाला जाएगा और छात्रों को राहत दी जाएगी। छात्रों ने बताया कि एमवॉक एक पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स है। इसे करने के बाद छात्रों को विभिन्न संस्थानों में आसानी से नौकरी मिल जाती है। यूनिवर्सिटी से हर साल सैकड़ों छात्र इस कोर्स को करते थे। लेकिन इंतजामिया ने इस बार यह कोर्स बंद कर दिया है, जिससे छात्रों को परेशानी हो रही है। इसी के विरोध में बड़ी संख्या में छात्र कैंपस के अंदर एकजुट हुए और नारेबाजी करते हुए बाब-ए-सैयद गेट पर पहुंचे। इसके बाद उन्होंने बाइकें लगाकर गेट को बंद कर दिया। गेट बंद होने की सूचना पर एएमयू के सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंच गए और छात्रों को रोकने का प्रयास किया, जिसके कारण दोनों के बीच नोंकझोंक हुई। छात्रों ने बताया कि वॉकेशनल एजुकेशन का कोर्स पांच साल का होता है। तीन साल ग्रेजुएशन के बाद छात्र पीजी कोर्स में दाखिला लेते है। लेकिन यूनिवर्सिटी ने यह कोर्स बंद कर दिया है। इस कारण छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया है। उन्होंने बताया कि इस बारे में यूनिवर्सिटी के अधिकारियों से कई बार मिलकर बात की गई है। हर बार उन्हें आश्वासन दे दिया जाता है कि कार्रवाई की जाएगी। लेकिन अभी तक यूनिवर्सिटी ने कोर्स शुरू करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। छात्रों ने कहा कि अगर यूनिवर्सिटी कोर्स नहीं शुरू करेगी तो छात्र अनशन करने पर मजबूर हो जाएंगे।

3 महीने बाद लिया बदला, पीट-पीटकर मार डाला

दबंगों को सुरती देने से किया था मना, पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, लंभुआ में सूरती न देने का बदला लेने के मामले में एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के गरये गांव की है। रचेंद्र (24) राजस्थान में मजदूरी करता था। तीन महीने पहले जब वह घर आया था, तब गांव के धीरज सिंह और शुभम सिंह ने उससे सुरती मांगी थी। रचेंद्र के पास सुरती नहीं थी और उसने देने से मना कर दिया। रचेंद्र अपने साथी रोहित के साथ बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में धीरज और शुभम ने उसे रोका। पुरानी बात को लेकर पैसों की मांग की। रचेंद्र के मना करने पर दोनों ने उसके सिर पर डंडे से वार कर दिया। गंभीर चोट के कारण लखनऊ में उसकी मौत हो गई। मां संगीता की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया। आरोपी हिमांशु सिंह उर्फ धीरज सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर पहले से पांच गंभीर मामले दर्ज हैं। दूसरे आरोपी शुभम की तलाश जारी है। युवक की दो साल पहले सपना से शादी हुई थी। उनकी पांच महीने की बेटी है। रचेंद्र चार भाई और एक बहन में से एक था। उसका बड़ा भाई रंजीत पेंटर है, दूसरा भाई रविशंकर राजगीर है

जिला अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ी

डायरिया-बुखार के मरीजों के लिए 10 बेड का विशेष वार्ड, रोजाना 1200 मरीज पहुंच रहे

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जिला अस्पताल में मौसम परिवर्तन के कारण मरीजों की संख्या में तेज वृद्धि देखी जा रही है। पहले जहां प्रतिदिन लगभग एक हजार मरीज पहुंचते थे, वह संख्या अब बढ़कर 1200 हो गई है। जिला अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉ. अमित यादव के अनुसार, गर्मी और बीच-बीच में हो रही बारिश के कारण वायरल फीवर के मामले बढ़े हैं। उन्होंने लोगों को बाहर का खाना और बासी भोजन खाने से बचने की सलाह दी है। साथ ही डिहाइड्रेशन से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीने को कहा है।

बांके बिहारी कॉरिडोर का विरोध करने पहुंचे अभिनेता रवि पांडे

मंदिर के मेन गेट पर किया प्रदर्शन, बोले- कुंज गलियां वृंदावन वासियों की जान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, बांके बिहारी कॉरिडोर को लेकर चल रहा विरोध 55 वें दिन भी जारी रहा। मंगलवार को कॉरिडोर और न्यास बनाने के लिए लाए गए अध्यादेश का विरोध करने के लिए अभिनेता रवि पांडे भी पहुंचे। उन्होंने सरकार से हाथ जोड़कर निवेदन किया कि वह कॉरिडोर को यमुना किनारे बना लें। यहां की गलियों को नष्ट न करें। कॉरिडोर का विरोध करने के लिए एकत्रित हुईं महिलाओं ने मंदिर के मुख्य द्वार पर कुंज बिहारी श्री हरिदास का पाठ किया। बारिश के बीच बैठी महिलाओं ने इस दौरान श्री राधा चालीसा का पाठ किया। हाथों में तख्तियां लेकर बैठी महिलाओं ने नारेबाजी करते हुए कहा कि कॉरिडोर बने जमुनापार। बांके बिहारी से शादी करने का दावा करने वाली ज्योति उर्फ इन्दुलेखा भी विरोध करने पहुंचीं। उन्होंने कहा- एकादशी पर उन्होंने कॉरिडोर के विरोध में निर्जला व्रत रखा। वह सब कुछ छोड़कर बिहारी जी के लिए आई हैं। ब्रज में आकर अगर बिहारी जी के लिए नहीं बोलेंगे तो क्यों आए हैं। यहां नाटक नौटंकी वाले तो बोलेंगे नहीं। आज ब्रज की महिलाओं को जरूरत है हमारी तो हम उनके साथ हैं। बिहारी जी के साथ हैं हम कॉरिडोर और न्यास का विरोध करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित। संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी